Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 263 बुधवार, 27 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

कुदरत सबको
अपनी नियामत बांटती है
तुम्हें दिखलाई न पड़े तो क्या
किया जाए।
-हजरत मोहम्मद-

संक्षिप्त समाचार

तीस्ता सीतलवाड़ और पूर्व डीजीपी श्रीकुमार को राहत नहीं,जमानत याचिका पर फैसला टला

अहमदाबाद, 26 जुलाई 2022। अहमदाबाद की एक अदालत ने 2002 दंगों के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने केलिए दस्तावेज बनाने की आरोपी तीस्ता सीतलवाड़ और पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार की जमानत याचिका पर आदेश 28 जुलाई तक टाल दिया है। सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ ने अहमदाबाद के सेशल कोर्ट में अर्जी दी थी। सीतलवाड़ और श्रीकुमार ने खुद पर लगे आरोपों से इनकार किया है।

क्या है आरोप?

तीस्ता और श्रीकुमार के अलावा इस मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट भी आरोपी हैं। एसआईटी ने दावा किया है कि ये तीनों ही आरोपी तत्कालीन नरेंद्र मोदी सरकार को अस्थिर करने की साजिश रच रहे थे। आरोप है कि पीड़ितों की मदद के लिए दी जाने वाली राशि का दुरुपयोग किया गया और इसका इस्तेमाल राज्य सरकार को अस्थिर करने में किया गया। यह सब कांग्रेस नेता अहमद पटेल के इशारों पर किया जाता था।

यूपी,बिहार में भी जमकर बरसेंगे बादल,मौसम विभाग ने बताया मानसून का हाल

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। इस बार उत्तर भारत का बड़ा क्षेत्र बारिश के लिए तरस रहा है। हालांकि इसी बीच मौसम विभाग ने राहत भरी भविष्यवाणी की है। द्मस्ध् के मुताबिक अगले एक सप्ताह में मॉनसून उत्तर में शिफ्ट हो सकता है। इसके बाद उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में पर्याप्त बारिश हो सकती है।

मंगलवार की बात करें तो देश में सामान्य से 11 फीसदी ज्यादा बारिश हुई जबकि पूर्वोत्तर में सामान्य से 14 फीसदी कम वर्षा रेकॉर्ड की गई। सोमवार तक उत्तर प्रदेश में सामान्य से 45 फीसदी कम बारिश हुई। वहीं बिहार और झारखंड के भी हालात लगभग एक जैसे ही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि एक सप्ताह बाद मॉनसून उत्तर की ओर शिफ्ट होगा और बारिश की गतिविधि बढ़ेगी। मौसम विभाग का कहना है कि अरब सागर के पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इस वजह से उत्तर भारत में अच्छी बारिश हो सकती है। वहीं 28 जुलाई से हिमालयी क्षेत्र में नया पश्चिमी विक्षोभी भी बन सकता है।

मां ने डांटा तो 12वीं की छात्रा ने कर ली खुदकुशी, हफ्तेभर में तीसरा मामला

चेन्नई, 26 जुलाई 2022। तमिलनाडु में एक और 12वीं की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। घटना कुड्डुलोर जिले की है। बताया जा रहा है कि लड़की मां से डाट खाने के बाद अपसेट थी। जब पैरेंट्स घर पर नहीं थे तब उसने फांसी लगा ली। मंगलवार को जब लड़की के परिजन उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे तब पुलिस को जानकारी मिली और वह मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि तमिलनाडु में यह 12वीं की छात्रा की मौत का हफ्ते भर के अंदर ही तीसरा मामला है। इससे पहले दो मामले स्कूल हॉस्टल से आ चुके हैं जहां संदिग्ध परिस्थितियों में छात्राओं की मौत हो गई। मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के बाद इन दोनों ही मामलों की जांच पुलिस की सीबी-सीआईडी विंग कर रही है।

टारगेट किलिंग के बाद सरकारी नौकरी छोड़ रहे कश्मीरी पंडित ?

गृह मंत्रालय ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की टारगेट किलिंग को लेकर लंबे समय से विरोध प्रदर्शन चल रहा है। इस दौरान पंडितों ने कई बार चेतावनी भी दी कि अगर उन्हें पुख्ता सुरक्षा मुहैया नहीं कराई जाएगी को वे घाटी व सरकारी नौकरी छोड़ देंगे। ऐसे में खबरें भी आईं कि प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत काम करने वाले कई कश्मीरी पंडितों ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। हालांकि अब इसको लेकर केंद्र सरकार ने संसद को सारी बात बताई।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा को सूचित किया कि जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत काम करने वाले किसी भी कश्मीरी पंडित ने विरोध में इस्तीफा नहीं दिया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शिवसेना सांसद अरविंद सावंत और विनायक राउत के सवाल पर लोकसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि ÷जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, हाल ही में कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडित की हत्या के विरोध में प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत काम करने वाले किसी भी कश्मीरी पंडित ने इस्तीफा नहीं दिया है।÷

वर्ष 2017 से जम्मू कश्मीर में आतंकी हमलों में 28 प्रवासी कामगार मारे गए:सरकार

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि जम्मू कश्मीर में सीमापार से प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों एवं प्रवासी कामगारों को लक्ष्य बनाकर कुछ हमले किये गए तथा वर्ष 2017 से अब तक ऐसे हमलों में 28 कामगार मारे गए हैं। निचले सदन में रीति पाठक, रमा देवी, गीता कोडा, दिलेश्वर कमैत, ज्योतिर्मय सिंह महतो, लॉकेट चटर्जी और नवनीत रवि राणा के प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह जानकारी दी।

सदस्यों ने पूछा था कि क्या जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा अल्पसंख्यकों और बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड एवं मध्य प्रदेश के प्रवासी कामगारों की हत्या की घटनाओं में वृद्धि हुई है। इस पर गृह राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार की आतंकवाद के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं' करने की नीति है तथा जम्मू कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमलों की संख्या में काफी गिरावट आई है और यह वर्ष 2018 की 417 घटनाओं से कम होकर वर्ष 2021 में 229 रह गई है।

राय ने कहा कि सरकार ने जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिये कई उपाय किये हैं जिसमें एक मजबूत खुफिया एवं सुरक्षा ग्रिड, आतंकवादियों के खिलाफ सक्रिय अभियान तथा रात में गहन गश्त आदि शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि सीमापार से प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों एवं प्रवासी कामगारों को लक्ष्य बनाकर कुछ हमले किये गए। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2017 से अब तक ऐसे हमलों में 28 कामगार मारे गए हैं जिनमें सात कामगार बिहार के, दो महाराष्ट्र और एक झारखंड के थे।

गृह राज्य मंत्री ने बताया कि सरकार ने घाटी में कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये कई उपाय किये हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत 5,502 कश्मीरी प्रवासियों को सरकारी नौकरी दी गई है। सरकार ने घाटी में जम्मू कश्मीर सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्त किये गए/नियुक्त किये जाने वाले कश्मीरी प्रवासी कर्मचारियों के लिये 6,000 ट्रांजिट आवासों के निर्माण को मंजूरी दी है। राय ने बताया कि जम्मू कश्मीर सरकार ने कश्मीरी प्रवासियों की शिकायतों को निपटाने के लिये 7 सितंबर 2021 को एक पोर्टल भी शुरू किया।

वेश्यालय चलाने के आरोपी मेघालय के भाजपा नेता उत्तर प्रदेश में गिरफ्तार,वाहनों की जांच के दौरान पकड़े गए

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। मेघालय में भाजपा के उपाध्यक्ष बर्नार्ड एन मराक को उत्तर प्रदेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। उनपर फार्महाउस में %वेश्यालय% चलाने का आरोप है। शनिवार से ही वह फरार थे। मेघालय के डीजीपी एलआर बिश्नोई ने कहा कि मराक को हापुड़ जिले से गिरफ्तार किया गया है। मेघालय पुलिस ने उनको तलाशने के लिए अलर्ट जारी किया था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की चेकिंग के दौरान मराक को गिरफ्तार किया गया।

एक दिन पहले ही तूरा कोर्ट ने उनके खिलाफ गैरजमानती वॉरंट जारी किया था। शनिवार को वेस्ट गारो हिल्स जिले की पुलिस ने दावा किया था कि उसने बर्नार्ड की एक बिल्डिंग में छापा मारा। इस दौरान पांच बच्चों को बचाया गया जिसमें एक नाबालिग लड़की भी शामिल थी। इसके अलावा 75 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

वेस्ट गारो हिल्स पुलिस चीफ विवेकानंद सिंह राठोर ने शनिवार को हिंदुस्तान टाइम्स को बताया था कि भाजपा नेता के फार्महाउस से मिली सामग्री और उसकी डिजाइन को देखकर लगता है कि बर्नार्ड एन मराक इसका इस्तेमाल %वेश्यालय चलाने के लिए करते थे।% हालांकि भाजपा का कहना है कि ये सारे आरोप केवल राजनीतिक बदले की भावना से लगाए जा रहे हैं। यह नेशनल पीपल्स पार्टी की सरकार की साजिश है।

गुजरात में जहरीली शराब पीने से अब तक 28 लोगों की मौत,30 लड़ रहे जिंदगी की जंग

अहमदाबाद, 26 जुलाई 2022। गुजरात में बोटाद जिले के रोजिद गांव में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। राज्य में शराबबंदी होने के बावजूद इस त्रासदी में अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है और 30 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं दूसरी ओर भूपेन्द्र पटेल सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। सोमवार को सीएम पटेल ने एक हाई लेवल मीटिंग की और अफसरों को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

गुजरात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार रात बताया कि कुछ मरीजों की हालत गंभीर है। मामले में पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) और अहमदाबाद अपराध शाखा भी जांच में शामिल हो गयी हैं।

पुलिस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अभी 30 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, ज्यादातर लोग भावनगर में सर तख्तसिंहजी अस्पताल में भर्ती हैं। उनमें से कुछ की हालत नाजुक है। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है और कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

गिरने लगा कोरोना का ग्राफ! एक्टिव केस भी हुए कम,36 लोगों ने गवाई जान

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। देश में कोरोना महामारी को लेकर अच्छी खबर है। बीते कुछ दिनों से कोरोना के मामले लगातार कम हो रहे हैं। देशभर में मंगलवार को भी कोरोना के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में देश में संक्रमण के 14,830 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, इस दौरान 36 लोगों की मौत भी हुई है।

देश में एक्टिव केस भी अब लगातार कम हो रहे हैं। राहत की बात ये भी है कि नए मामलों की तुलना में कोरोना से रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा है। बीते 24 घंटे में कोरोना से 18,159 मरीज ठीक हुए हैं। कोरोना के सक्रिय मामले घटकर अब 1 लाख 47 हजार 512 हो गए हैं।

लंच ब्रेक के बाद फिर ईडी ऑफिस पहुंचीं सोनिया, धरना दे रहे राहुल समेत 50 सांसद अभी भी हिरासत में

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। नेशनल हेराल्ड में ईडी की पूछताछ का सामना कर रही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी लंच ब्रेक के बाद फिर ईडी ऑफिस पहुंची हैं। मंगलवार सुबह 11 बजे से पूछताछ शुरू हुई थी, जो दोपहर 1.30 बजे तक चली। वहीं पूछताछ के खिलाफ पार्टी सांसदों के साथ राहुल गांधी विजय चौक के पास धरने पर बैठ गए, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

राहुल के अलावा कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल, शक्ति सिंह गोहिल समेत 50 सांसदों को हिरासत में लिया गया है। कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा है कि इन सांसदों को कहीं अज्ञात जगहों पर पुलिस ले जा रही है।

5 जी स्पेक्ट्रम की नीलामी आज से,जानें कौन सी चार कंपनियां हैं मैदान में

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। भारत में 26 जुलाई से 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू होगी। इसमें कुल 72 गीगाहर्टज स्पेक्ट्रम की नीलामी होगी। इस नीलामी से सरकार को करीब 4.3 लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।इस नीलामी में कुल चार कंपनियां हिस्सा ले रही है जिनमें रिलायंस जियो, भारतीय एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और अदाणी समूह की अदाणी डाटा नेटव?र्क्स लिमिटेड शामिल हैं। सरकार का दावा है कि अगस्त के अंत तक देश में 5जी सेवा शुरू हो सकती है।

सबसे पहले इन शहरों में शुरू होगी सेवा- देश में 5जी सेवा सबसे पहले दिल्ली, लखनऊ, चंडीगढ़, गुरुग्राम, अहमदाबाद, कोलकाता, जामनगर, गांधीनगर, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई में शुरू होगी।

क्या है 5जी- 5जी नेटवर्क अगली पीढ़ी का मोबाइल नेटवर्क है। यह एक नई वैश्विक वायरलेस प्रणाली है जो मुख्य रूप से तीन बैंड में काम करता है। 5जी से दूरसंचार सेवाएं और बेहतर होंगी। यह उपभोक्ताओं के साथ औद्योगिक क्रांति लाते हुए व्यवसायों को भी बदल देगा।

अभी इन देशों में 5जी सेवा उपलब्ध- मौजूदा समय में चीन, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, स्पेन, कनाडा, आस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, इटली, फ्रांस, थाइलैंड और स्वीडन में उपलब्ध है।

यहां चल रहा ट्रायल- सरकार की ओर से ट्राई देश में 5जी सेवा का ट्रायल कर रहा है। अभी यह ट्रायल भोपाल, गुजरात के कांडला पोर्ट, बेंगलुरु मेट्रो और दिल्ली के एयरपोर्ट पर ट्रायल किया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा ने जड़ा आरोप

कहा-नेताओं के फोन कॉल पर नजर रख रहे हैं बिग ब्रदर'

नयी दिल्ली,26 जुलाई 2022। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा ने केंद्र सरकार की ओर स्पष्ट रूप से इशारा करते हुए आरोप लगाया कि नेताओं के फोन कॉल पर %बिग ब्रदर नजर रख रहे हैं। इससे पहले, अल्वा ने कहा था कि वह %भाजपा में कुछ मित्रों से बात करने के बाद वह न तो किसी को फोन कर पा रही हैं और न ही उन्हें कोई कॉल आ पा रहा है। अल्वा ने ट्वीट किया, %नए भारत में विभिन्न दलों के नेताओं के बीच सभी वार्तालापों के दौरान यह डर रहता है कि %बिग ब्रदर हमेशा देख और सुन रहे हैं। विभिन्न दलों के सांसद एवं नेता कई फोन रखते हैं, बार-बार नंबर बदलते हैं और वे जब मिलते हैं, तो फुसफुसाकर बात करते हैं। डर लोकतंत्र की हत्या कर देता है। अल्वा ने दो सरकारी दूरसंचार कंपनी को संबोधित करते हुए सोमवार रात ट्वीट किया था, %प्रिय बीएसएनएल/एमटीएनएल, आज भाजपा के कुछ मित्रों से बात करने के बाद मैं किसी को कॉल नहीं कर पा रही हूं और न ही किसी का फोन आ पा रहा है। अगर आप सेवाएं बहाल कर देंगे, तो मैं वादा करती हूं कि आज रात भाजपा, टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) या बीजद (बीजू जनता दल) के किसी सांसद को फोन नहीं करूंगी। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में अल्वा के सामने पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल एवं राजग के प्रत्याशी जगदीप धनखड़ की चुनौती है।

गुजरात में जहरीली शराब पीने से एक ही गांव के 19 लोगों की मौत,20 लोग गंभीर रूप से अस्पताल में भर्ती

अहमदाबाद, 26 जुलाई 2022। गुजरात में बोटाद जिले के रोजिद गांव में जहरीली शराब पीने से अब तक 19 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 20 अन्य बीमार पड़ गए जिन्हें उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार रात बताया कि कुछ मरीजों की हालत गंभीर है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ता और अहमदाबाद अपराध शाखा भी जांच में शामिल हो गई हैं। गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने बताया कि जहरीली शराब पीने से अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। कम से कम 20 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, ज्यादातर लोग भावनगर में सर तख्तसिंहजी अस्पताल में भर्ती हैं। उनमें से कुछ की हालत नाजुक है। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है और कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

उत्तरप्रदेश में बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत

लखनऊ, 26 जुलाई 2022। देश के कई राज्यों में इन दिनों भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण प्राकृतिक आपदाएं भी हो रही हैं जिससे जानमाल को भारी नुकशान हो रहा है। उत्तरप्रदेश में भारी बारिश के दौरान एक दुखद घटना सामने आई है। जिसमें बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 17 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रयागराज, बांदा, चित्रकूट, महोबा, कानपुर, मऊ और गाजीपुर जिलों में लोगों की मौत की खबर है।

राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है और प्रत्येक पीड़ित के परिवारों को तुरंत 4 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। संबंधित जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के इलाज की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। ताजा घटना सोमवार को प्रयागराज में हुई, जब भारी बारिश के दौरान खेतों में काम कर रहे चार लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। एक अन्य मौत तब हुई जब पीड़ितों ने बारिश के दौरान पेड़ों के नीचे शरण ली थी।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त मंत्री का बड़ा ऐलान,सरकार जल्द ले सकती है

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच देश की वित्तमंत्री ने इसपर बड़ा बयान दिया है जो लोगों को राहत दे सकती है। वित्तमंत्री ने अपने बयान में कहा कि अब सरकार हर 15 दिन में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर लगाए गए नए टैक्स की समीक्षा करेगी। यह समीक्षा अंतरराष्ट्रीय कीमतों को ध्यान में रखकर की जाएगी। इसी बीच ये खबर भी है कि महंगाई दर इस तिमाही ऋब्ट्ठ के अनुमानित लक्ष्य से ज्यादा ही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने संवाददाताओं बातचीत के दौरान कहा कि यह एक मुश्किल वक्त है और वैश्विक स्तर पर तेल कीमतें बेलगाम हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'हम निर्यात को हतोत्साहित नहीं करना चाहते लेकिन घरेलू स्तर पर उसकी उपलब्धता बढ़ाना चाहते हैं.' अगर तेल उपलब्ध नहीं होगा और निर्यात अप्रत्याशित लाभ के साथ होता रहेगा तो उसमें से कम-से-कम कुछ हिस्सा अपने नागरिकों के लिए भी रखने की जरूरत होगी.'

पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन पर भी टैक्स

इससे पहले सरकार ने पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर कर लगाने की घोषणा भी की। आपको बता दें कि पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर छह रुपये प्रति लीटर और डीजल के निर्यात पर 13 रुपये प्रति लीटर की दर से कर लगाया गया है। यह नया नियम एक जुलाई से प्रभाव में आ गया है।

स्थानीय स्तर पर उत्पादित तेल पर भी टैक्स

इसके साथ ही ब्रिटेन की तरह स्थानीय स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर भी कर लगाने की घोषणा की गई। घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर 23,250 रुपये प्रति टन का कर लगाया गया है। राजस्व सचिव तरूण बजाज ने कहा कि नया कर सेज इकाइयों पर भी लागू होगा लेकिन उनके निर्यात को लेकर पाबंदी नहीं होगी। इसके साथ ही रुपये की गिरावट पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार स्थिति पर नजर रख रही है। सरकार आयात पर रुपये के मूल्य के असर को लेकर पूरी तरह सचेत है।

संपादकीय

कथनी जैसी ही हो करनी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतें स्वतंत्रता की लोकपाल हैं और उसका संरक्षण उनका पावन कर्तव्य है। तो फिर ये सवाल उठेगा कि क्या आज अदालतें अपने इस पावन कर्तव्य को निभा रही हैं?

सुप्रीम कोर्ट से यह अपेक्षा नहीं रहती कि वह क्या अपेक्षित है, यह देश को बताए। बल्कि उम्मीद यह रहती है कि जो अपेक्षित है, उस पर अमल के लिए वह सरकार को मजबूर करे। भारतीय संविधान ने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण सक्षम बनाया है। अगर कानून नहीं है, तब भी सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 140 का उपयोग कर संविधान की मूल भावना के अनुरूप आदेश जारी कर सकता है। मगर हाल में रुझान यह है कि जज कोर्ट रूम के अंदर और बाहर भी अपनी टिप्पणियों में संवैधानिक भावना का उल्लेख करते हैं। वे उसके उल्लंघनों का भी कभी-कभार जिक्र करते हैं। लेकिन जब बारी फैसला देने की आती है, तो लोगों की आशा पूरी नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट की इस हफ्ते की गई एक खास टिप्पणी भी संभवतः इसी सिलसिले का हिस्सा है। देश की जेलों में विचाराधीन कैदियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र पुलिस तंत्र जैसा नहीं लगना चाहिए, क्योंकि दोनों एक दूसरे के विरोधी हैं। बिल्कुल सही बात है।

लेकिन क्या सुप्रीम कोर्ट इस बात से परिचित नहीं है कि देश धीरे-धीरे पुलिस तंत्र में बदलता जा रहा है? और इसकी एक वजह यह भी है कि पुलिस तंत्र की भावना से हुई कार्रवाइयां जब सुप्रीम कोर्ट पहुंचती हैं, तो अदालत उसमें न्याय को लटका देता है? अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी अपने आप में एक कठोर कदम है, जिसका कम इस्तेमाल किया जाना चाहिए। पुलिस अफसर को सिर्फ इसलिए किसी को गिरफ्तार कर लेने का अधिकार नहीं है क्योंकि उसे लगता है कि गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। गिरफ्तारी की कुछ शर्तें होती हैं और उनका पूरा होना आवश्यक है। अदालत ने आम लोगों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में अदालतों की भूमिका पर जोर दिया। कहा कि अदालतें इस स्वतंत्रता की लोकपाल हैं और उसका पूरे उत्साह से संरक्षण करना उनका पावन कर्तव्य है। तो फिर वही प्रश्न उठेगा कि आखिर ये धारणा क्यों बनती जा रही है कि अदालतें अपने इस पावन कर्तव्य को नहीं निभा रही हैं?

या तो मैं तिरंगा फहराकर वापस आऊंगा...

या फिर उसमें लिपटकर वापस आऊंगा

-सत्यवान सौरभ-
भिवानी, हरियाणा

कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के प्रयासों और बलिदानों को याद करने के लिए हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन कारगिल युद्ध 1999 के शहीदों को समर्पित है। कारगिल विजय दिवस कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की जीत का प्रतीक है। हमने 527 साहसी आत्माओं को खो दिया, और युद्ध में 1363 सैनिक घायल हो गए। उन बहादुर बलिदानों की उपेक्षा कौन कर सकता है? आइए उनके धैर्य को याद करें और उनके आभारी रहें.

कारगिल युद्ध में सैनिकों द्वारा किए गए बलिदान को याद करने के लिए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। भारतीय सेना के एक मिशन %ऑपरेशन विजय% ने भारत के लिए अंतिम सफलता हासिल की। कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय द्वारा हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन कारगिल युद्ध 1999 के शहीदों को समर्पित है। कारगिल विजय दिवस कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की जीत का प्रतीक है।

कारगिल युद्ध 1999 में कारगिल जिले में घुसपैठ करने वाले पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा शुरू किया गया था। कारगिल विजय दिवस को सैकड़ों बहादुर भारतीय सैनिकों की शहादत को याद करने का दिन माना जाता है। कारगिल विजय दिवस वह दिन है जिस दिन भारतीय सेना ने 1999 में पाकिस्तान की सेना के खिलाफ युद्ध जीता था। 26 जुलाई को, भारतीय सेना ने उन सभी भारतीय चौकियों पर फिर से कब्जा कर लिया, जिन पर पाकिस्तान की सेना का कब्जा था। तब से, कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के प्रयासों और बलिदानों को याद करने के लिए हर साल यह दिवस मनाया जाता है।

कारगिल युद्ध भारतीय सेना द्वारा लड़े गए सबसे महान युद्धों में से एक है। युद्ध जम्मू और कश्मीर के कारगिल जिले में मई और जुलाई 1999 के बीच हुआ था। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के साथ लड़े गए चार प्रमुख युद्धों में से कारगिल युद्ध आखिरी था। अन्य तीन युद्ध 1947 में पहला कश्मीर युद्ध, 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध और 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध है। कारगिल युद्ध में दोनों राष्ट्रों के बीच लड़ाई एक बहुत लंबी लड़ाई थी, और इसका दोनों पर व्यापक प्रभाव पड़ा।

ब्रॉक चिशोल्म द्वारा बताए गए शब्दों की तरह, ÷कोई भी युद्ध नहीं जीतता है। यह सच है, हार की डिग्री होती है, लेकिन कोई जीतता नहीं है।÷ किसी भी युद्ध की तरह कारगिल युद्ध का परिणाम भी विनाशकारी था। कई माता-पिता ने अपने बेटे खो दिए, कई बच्चों ने अपने पिता खो दिए, कई पत्नियों ने अपने पति खो दिए, कई ने अपने सबसे अच्छे दोस्त खो दिए, और भारत ने कई बहादुर सैनिकों को खो दिया। हम अपने उन साहसी सैनिकों को नमन करें जिन्होंने दुश्मनों से हमारी जान बचाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया।

मई 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध छिड़ गया और राष्ट्रों के बीच गहन लड़ाई साठ दिनों तक जारी रही। 26 जुलाई को, भारतीय सेना को विजयी घोषित करते हुए, युद्ध को आधिकारिक तौर पर समाप्त घोषित कर दिया गया था। यह कारगिल जिले के स्थानीय चरवाहों ने पहली बार 3 मई 1999 को जम्मू और कश्मीर में लद्दाख के पास के क्षेत्रों में पाकिस्तानी घुसपैठियों की उपस्थिति की सूचना दी थी। चरवाहों के संदेश ने भारतीय सैनिकों को रिपोर्ट किए गए क्षेत्रों के साथ गश्ती इकाइयों का निर्माण किया।

बाद में मई में, पाकिस्तान ने जवाबी गोलीबारी की उम्मीद में भारत पर गोलीबारी शुरू कर दी। रणनीति भारतीय सैनिकों को लड़ाई में सक्रिय रूप से शामिल करने की थी ताकि पाकिस्तानी सैनिक आसानी से भारतीय क्षेत्रों पर आक्रमण कर सकें। भारी गोलाबारी के परिणामस्वरूप, भारतीय सेना के पास इससे लड़ने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था; पाकिस्तानी घुसपैठियों ने स्थिति का फायदा उठाया और द्रास, मुशकोह और काकसर सेक्टरों पर आक्रमण कर दिया।

जून की शुरुआत में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी सेना की संलिप्तता का खुलासा करने वाले दस्तावेज जारी किए गए थे। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि घुसपैठ ÷कश्मीरी स्वतंत्रता सेनानियों÷ द्वारा की गई थी, जो बाद में बालदार के रूप में साबित हुई थी। युद्ध की शुरुआत के दौरान की लड़ाई भारतीय सेना के लिए बहुत प्रतिकूल थी क्योंकि पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों ने खुद को उस क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर तैनात कर दिया था।

प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों जैसे पहाड़ी इलाके, ठंडे मौसम और अत्यधिक ऊंचाई ने पाकिस्तानी सेना को सामरिक लाभ प्रदान किया। लेकिन फिर भी, हमारे बहादुर वीर पाकिस्तानी सैनिकों से कई चौकियां हासिल करने में कामयाब रहे। 4 जुलाई को, 11 घंटे की लंबी लड़ाई के बाद, भारतीय सेना ने टाइगर हिल पर कब्जा कर लिया, और अगले दिन, उन्होंने द्रास को पुनः प्राप्त कर लिया। टाइगर हिल और द्रास पर पुनः कब्जा करने से युद्ध को एक बड़ी सफलता मिली।

बाद में, 5 जुलाई को, पाकिस्तान ने सैनिकों की वापसी की घोषणा की, और बल ने 11 जुलाई को अपनी वापसी शुरू कर दी। कारगिल युद्ध को दिया गया कोडनेम ऑपरेशन विजय था। 14 जुलाई को, भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री ए बी वाजपेयी ने युद्ध में भारतीय सैनिकों की सफलता की घोषणा की। सभी पाकिस्तानी घुसपैठियों को हमारे देश से खदेड़ दिया गया, और युद्ध आधिकारिक तौर पर 26 जुलाई को समाप्त हो गया।

लेकिन ये युद्ध हमें याद दिलाता है कैप्टन विक्रम बत्रा की। गंभीर चोटों को झेलने के बावजूद, वह दुश्मन की ओर रेंगता रहा और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की पूरी उपेक्षा के साथ स्थिति को साफ करते हुए हथगोले फेंके, सामने से आगे बढ़ते हुए, उसने अपने आदमियों को लामबंद किया और हमले पर दबाव डाला और लगभग असंभव को हासिल कर लिया। मगर अंत में दुश्मन की भारी गोलाबारी का सामना करते हुए भारत माँ के इस लाडले ने दम तोड़ दिया।

उनके साहसिक कार्य से प्रेरित होकर, उनकी सेना प्रतिशोध के साथ दुश्मन पर गिर गई, उनका सफाया कर दिया और प्वाइंट 4875 पर कब्जा कर लिया। इस प्रकार, कप्तान विक्रम बत्रा ने दुश्मन के सामने सबसे विशिष्ट व्यक्तिगत बहादुरी और सर्वोच्च आदेश के नेतृत्व का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बना दिया भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपराओं में बलिदान की परम्परा को। ÷

उन्होंने अपने घर वालों को कहा था - ÷या तो मैं तिरंगा फहराकर वापस आऊंगा, या फिर उसमें लिपटकर वापस आऊंगा, लेकिन मैं निश्चित रूप से वापस आऊंगा÷। कारगिल युद्ध के शहीद कैप्टन बत्रा को 15 अगस्त, 1999 को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। पुरस्कार राष्टपति केआर नारायणन द्वारा गणतंत्र दिवस परेड के दौरान 26 जनवरी 2000 को उनके पिता द्वारा प्राप्त किया गया। कैप्टन बत्रा को उनकी वीरता और बहादुरी के लिए पूरे देश में पहचाना जाता है। प्वाइंट 4875 पर कब्जा करने में उनकी भूमिका को देखते हुए पहाड़ का नाम बत्रा टॉप रखा गया है। इस युद्ध में भले ही भारत विजयी हुआ, हमने 527 साहसी आत्माओं को खो दिया, और युद्ध में 1363 सैनिक घायल हो गए। उन बहादुर बलिदानों की उपेक्षा कौन कर सकता है? आइए उनके धैर्य को याद करें और उनके आभारी रहें.।

बाधा

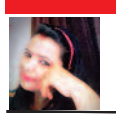

कल्पना भदौरिया
स्वप्निल
लखनऊ

नमन तुम्हें हैअब रघुराई
पास नहीं कुछ बाधा आई
भजन गीत मन अति हर्षाया
राग द्वेष छल दूर भगाया
गीता ज्ञान सकल उर धारे
महिमा उनकी नाम सँवारे
हरदम संत करें उपदेशा
मानव जान सुखी सब वेषा
सीता राम सहित प्रभु आओ
मेरे हृदय आप बस जाओ
देव करो पूरी अभिलाषा
पावस प्रेम पवित्र परिभाषा
राम सिया की महिमा जानो
राम राज्य को वेद बखानों
उचित कर्म मानव हो तेरे
सियाराम की माला फेरे
हर्षित उर से नाचें गाएँ
सुखमय जीवन अब सब पाएँ
हरपल राम भजन तुम करना
लक्ष्य बनाकर चलते रहना

क्या तुम राम बन पाओगे

पूनम शर्मा स्नेहिल
जमशेदपुर,बिहार

मुझे सीता बनने में
कोई आपत्ति नहीं है..
पर क्या तुम राम बन पाओगे...
मेरे लिए क्या तुम
इतना कर पाओगे...
छोड़ आई मैं अपना सब कुछ ...
लो तुम्हारे लिए
वनवास भी किया....
पर क्या मेरे लिए तुम खुद को
साबित करने के लिए....
भू तल में समाओगे...
बोलो क्या तुम राम बन पाओगे
महलों में पली बढ़ी मैं...
साथ देने को तुम्हारा वन भी चली मैं
आज भी हर हाल में....
तुम्हारा साथ देने के लिए तैयार हूं
पर क्या तुम मेरे मान का मान रख पाओगे..
क्या तुम राम की तरह ..
सिर्फ मेरे हो पाओगे ....
क्या मेरे दूर रहने पर तुम भी.....
सिर्फ मेरे बन पाओगे....
मैं सीता बनने के लिए तैयार हूं पर
क्या तुम मर्यादा पुरुषोत्तम राम बन
पाओगे।।

मैं कुआँ

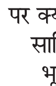

टीकेश्वर सिन्हा
-बालोद छत्तीसगढ़

मैं कुआँ
कभी स्वच्छ-शीतल जलस्त्रोत
हुआ करता था,
कभी सूखे गले को तर
किया करता था;
पर आज मेरी उपयोगिता को
निगल गयी उपेक्षा की खाई
जल मेरा हुआ प्रदूषित
और हुआ मैं कलुषित,
बेमतलब की रह गयी आज
मेरे अंतस की गहराई,
पर अच्छा होता अगर
मिलकर तुम सब
एक-एक मुट्ठी मिट्टी
मेरे अंतस में डाल देते
जिससे मैं धराशायी हो जाता,
मैं.कुआँ अब
यही तो चाहता हूँ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

भारत में हिंदू अल्पसंख्यक हैं ?

सर्वोच्च न्यायालय में आजकल एक अजीब-से मामले पर बहस चल रही है। मामला यह है कि क्या भारत के कुछ राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक माना जाए या नहीं? अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक होने का फैसला राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए या राज्यों के स्तर पर? अभी तक सारे भारत में जिन लोगों की संख्या धर्म की दृष्टि से कम है, उन्हें ही अल्पसंख्यक माना जाता है। इस पैमाने पर केंद्र सरकार ने मुसलमानों, ईसाइयों, पारसियों, सिखों, बौद्धों और जैनियों को अल्पसंख्यक होने की मान्यता दे रखी है।

यह मान्यता इन लोगों पर सभी प्रांतों में भी लागू होती है। जिन प्रांतों में ये लोग बहुसंख्यक होते हैं, वहां भी इन्हें अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। ऐसे समस्त अल्पसंख्यकों की संख्या सारे भारत में लगभग 20 प्रतिशत है। अब अदालत में ऐसी याचिका लगाई गई है कि जिन राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हैं, उन्हें वहां भी बहुसंख्यक क्यों माना जाता है?

जैसे लद्दाख, मिजोरम, लक्षद्वीप, कश्मीर, नागालैंड, मेघालय, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में हिंदुओं की संख्या सिर्फ 1 प्रतिशत से लेकर ज्यादा से ज्यादा 41 प्रतिशत है। इन राज्यों में उन्हें अल्पसंख्यकों को मिलनेवाली सभी सुविधाएं क्यों नहीं दी जातीं? यही बात भाषा के आधार पर भी लागू होती है। यदि महाराष्ट्र में कन्नड़भाषी अल्पसंख्यक माने जाएंगे तो कर्नाटक में मराठीभाषी अल्पसंख्यक क्यों नहीं कहलाएंगे? यदि अल्पसंख्यकता का आधार भाषा को बना लिया जाए तो भारत के लगभग सभी भाषाभाषी किसी न किसी प्रांत में अल्पसंख्यक माने जा सकते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर जो बहस चलाएगा, वह बंधे-बंधाए घेरे में चलाएगा और उक्त कुछ राज्यों में हिंदुओं को शायद वह अल्पसंख्यकों का दर्जा भी दे दे। लेकिन यह अल्पसंख्यकवाद ही मेरी राय में त्याज्य है। देश के किसी भी व्यक्ति को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक का दर्जा देना अपने आप में गलत है। यदि यह राज्यों में भी सभी पर लागू कर दिया गया तो यह अनगिनत मुसीबतें खड़ी कर देगा। हर वर्ग के लोग सुविधाओं के लालच में फंसकर अपने आप को अल्पसंख्यक घोषित करवाने पर उतारु हो जाएंगे। इसके अलावा राज्यों का नक्शा बदलता रहता है। जो लोग किसी राज्य में आज बहुसंख्यक हैं, वे ही वहां कल अल्पसंख्यक बन सकते हैं।

-वेद प्रताप वैदिक -

एमएसपी की कमेटी तो बनी,होगा क्या ?

तीन विवादित कृषि कानूनों को वापस लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को किसानों से वादा किया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर किसानों की मांगों पर विचार करने के लिए जल्दी ही एक कमेटी बनाई जाएगी। उस घोषणा के आठ महीने बाद कमेटी बन गई है। वैसे कमेटी का गठन 12 जुलाई को हो गया था लेकिन उसकी अधिसूचना एक हफ्ते बाद 18 जुलाई को सार्वजनिक हुई। कमेटी का जो एजेंडा बनाया गया है और जिस तरह के लोगों को कमेटी में शामिल किया गया है उसे देख कर लग रहा है कि इससे कुछ हासिल नहीं होने वाला है। यह कमेटी एक तरह से किसानों को उलझाए रखने का जरिया बनेगी। जैसे आंदोलन के समय किसानों के साथ सरकार की वार्ताएं होती थीं और कुछ नतीजा नहीं निकलता था वैसे ही इस कमेटी की वार्ताओं में भी होगा। कमेटी के गठन के साथ ही कई कारण दिख रहे हैं, जिनसे लग रहा है कि यह कमेटी किसानों की मांग के साथ न्याय नहीं कर पाएगी या इसका फेल होना तय है।

सबसे पहला कारण तो यह है कि इसे सरकारी बाबुओं की कमेटी बना दिया गया है। अध्यक्ष के साथ साथ केंद्र व राज्य सरकार के दर्जनों अधिकारी इसके सदस्य होंगे। इसके अध्यक्ष कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव रहे संजय अग्रवाल हैं और उनके साथ साथ नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद को इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। सोचें, रमेश चंद तीनों विवादित कानूनों का मसौदा तैयार करने वालों में थे और संजय अग्रवाल के सचिव रहते उन्हें लागू किया गया था। प्रधानमंत्री द्वारा तीनों कानूनों को वापस लेने की घोषणा से ठीक पहले तक ये दोनों लोग कानूनों का बचाव कर रहे थे। जब प्रधानमंत्री ने बिना शर्त तीनों विवादित कानूनों को वापस ले लिया तब इन्होंने चुप्पी साध ली। लेकिन अब सरकार किसानों की एक अहम मांग पर विचार के लिए कमेटी में इन दोनों को लेकर आई है। सवाल है कि जब किसान आंदोलन के समय हर बार उनके साथ वार्ता राजनीतिक नेतृत्व की हुई तो अब क्यों पूर्व कृषि सचिव वार्ता करेंगे? अगर सरकार गंभीर होती तो कमेटी का नेतृत्व राजनीतिक व्यक्ति को दिया जाता और उसमें सदस्य सचिव की तरह किसी अधिकारी को रखा जा सकता था।

इस कमेटी के फेल होने का दूसरा कारण यह है कि इसमें बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को शामिल किया गया है, जो भाजपा या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या ऐसे कृषि व सहकारी संगठनों से जुड़े हैं, जो सरकार का समर्थन करती हैं। इसमें संयुक्त किसान मोर्चा के लिए तीन सदस्यों की जगह छोड़ी गई है, जो उनकी ओर से नाम दिए जाने के बाद भरी जाएगी। सवाल है कि जब चार-पांच दूसरे किसान संगठनों के सदस्यों के नाम इसमें शामिल करके उनकी घोषणा कर दी गई है तो उसी तरह कमेटी के गठन से पहले संयुक्त किसान मोर्चा से बात करके उनके तीन नाम लेकर एक साथ ही घोषणा क्यों नहीं की गई? आखिर भारतीय कृषक समाज या शेतकरी संगठन या भारतीय किसान संघ सहित जिन किसान संगठनों के लोगों के नाम घोषित किए गए हैं उनसे भी तो पहले बातचीत हुई होगी? क्या जिन लोगों के नाम घोषित किए गए हैं वे सरकार को अपने अनुकूल लगे इसलिए उनका नाम पहले घोषित हो गया और संयुक्त किसान मोर्चा को बाद के लिए छोड़ दिया गया?

तीसरा कारण यह है कि इस कमेटी में बहुत से लोग सदस्य हैं। इसमें कई दर्जन सदस्य बनाए गए हैं। कई किसान संगठनों के लोग इसमें सदस्य हैं तो कई सहकारी संगठनों के लोगों को भी इसमें शामिल किया गया है। कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय से जुड़े अध्येता, केंद्र सरकार के अधिकारी और राज्य सरकारों के अनेकानेक अधिकारी इसमें शामिल किए गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर जिन अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है वे पदेन हैं। यानी अधिकारी बदलेंगे तो सदस्य बदल जाएगा। सोचें, ऐसी कमेटी क्या काम करेगी? वैसे भी जिस कमेटी में बहुत ज्यादा सदस्य होते हैं वह नतीजे नहीं दे पाती है।

इसके फेल होने का चौथा कारण यह है कि इसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है कि कमेटी कब तक सिफारिश करेगी। यानी कमेटी की बैठकें अनंतकाल तक चलती रह सकती हैं। पांचवां कारण यह है कि इसकी सिफारिशें केंद्र सरकार पर बाध्यकारी नहीं हैं यानी कमेटी सिर्फ अनुशंसा करने का काम करेगी और उसे मानना या न मानना सरकार पर निर्भर है। इसके विफल होने का छठा कारण यह है कि कमेटी को सिर्फ एमएसपी पर विचार नहीं करना है, बल्कि कृषि से जुड़े अनेक मसलों पर विचार करना है। आंदोलन करने वाले किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे थे। वे ऐसा कानून बनाने की मांग कर रहे थे, जिसमें यह अनिवार्य किया जाए कि कोई भी कारोबारी, देश में कहीं भी एमएसपी से कम कीमत पर अनाज नहीं खरीद सके। ऐसी खरीद को गैरकानूनी बनाया जाए। लेकिन कमेटी के एजेंडे में एमएसपी की कानूनी गारंटी की बजाय कई दूसरी चीजें शामिल कर दी गई हैं।

कमेटी का एजेंडा अपने आप में इसके विफल होने का एक कारण बनेगा। कमेटी की घोषणा करते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि 'जीरो बजट आधारित कृषि को बढ़ाना देने, फसल का पैटर्न बदलने और न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया है'। इसमें लिखा गया है कि कमेटी एमएसपी को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने पर विचार करेगी, जबकि किसान चाहते हैं कि एमएसपी की कानूनी गारंटी देने पर विचार हो। फसलों का पैटर्न बदलने या जीरो बजट कृषि को बढ़ावा देने के मसले पर पहले से काम हो रहा है और किसानों की असली चिंता वह नहीं है। आंदोलन करने वाले किसान एमएसपी की गारंटी चाहते थे। लेकिन यह कमेटी उस पर विचार नहीं करेगी। हो सकता है कि कमेटी के सामने एमएसपी की गारंटी करने वाले कानून का मुद्दा ही न आए। ध्यान रहे इस साल सरकार ने अनाज की बहुत कम खरीद की है। पिछले साल के मुकाबले लगभग आधी खरीद हुई है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए निजी कारोबारियों ने निर्यात के लिए खूब खरीद की और कई जगह किसानों को एमएसपी से ज्यादा कीमत मिली। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि एमएसपी अप्रासंगिक हो गया। एमएसपी की जरूरत है और आगे भी रहेगी। सरकार की खरीद कम होने के बाद इसकी जरूरत और बढ़ गई है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।

-अजीत द्विवेदी-

कैसे बताऊं मैं तुम्हें

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

कैसे बताउं मैं तुम्हें मेंरी दृष्टी का दर्पण हो तुम
दिल में छुपे हर अनकहे विचारों का वर्णन हो तुम
गीतों का मेंरे शब्द तुम संगीत का सुर ताल हो
मेंरे कांपते होठों की इस आवाज का गुंजन हो तुम
तुम भोर की पहली किरण कुंतल को सहलाते मेंरे
जो श्रवण में घोल दे मिठास प्रभात के वो वचन हो तुम
जाड़े की घूप हो गुनगुनी बारिश की चपल फुहार हो
अलबेली पुरवा बयार हो मेंरे तो नील गगन हो तुम
तुम चांद हृदयाकाश के आंखों के हो तारे तुम्हीं
मेंरी आत्मा का प्रकाश हो चलती हुई धड़कन हो तुम
आंखो में तुम सांसों में तुम यादों में तुम बातों में तुम
होठों की तुम मुस्कान हो मन में बसे वो मन हो तुम
मेंरी आत्मा की हो साधना परमात्मा की हो वंदना
मेंरे हृदय तन मन अहं का संपूर्ण समर्पण हो तुम

इल्जाम-ओ -रंज-ओ-गम

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

ख़ामोश रहना चाहते हैं पर बोल देते हैं
सिले सिले से ये लब हम खोल देते हैं
लफ़्ज़-दर-लफ़्ज़ सफ़हे पलट के देखे
सब हर्फ़ दिल की नब्ज़ टटोल देते हैं
हमने अभी वो हुनर बरकरार रखा है
कि ज़हर पीके भी अमृत घोल देते हैं
बेवफ़ाओं की तो ये रवायत पुरानी है
इल्ज़ाम-ओ-रंज-ओ-ग़म अनमोल देते हैं
अजीब कशमकश है गीत कैसे कहें
आप हमें किस तराज़ू में तोल देते हैं

काठ के खिलौनों ने

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

धँसीआँखें,पिचके पेटों को ,फिर सुनाया भाषण।
काठ के खिलौनों ने पढा,रटा रटाया भाषण।
रात हुई बारिश,टपकता रहा टूटा छप्पर,
रात भर हम ने भी ओढा और बिछाया भाषण,
गरीबी वरीबी कुछ भी नही,जेहनी बीमारी है,
साहिबे निजाम ने कडवी दवा सा पिलाया भाषण।
कोई फिरका ,कोई तबका, वो फर्क नही करते,
हुई हैं तरक्की,हरेक के हिस्से में आया भाषण।
हम रियाया,वो मालिक,नाटक के किरदार हैं,
हम ने सहा सुना,जो उन्होंने सुनाया भाषण।

लिव इन रिलेशनशिप आधुनिक फैशन

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

आजकल की आधुनिक युवा पीढ़ी में एक फैशन चला है, लिव इन रिलेशनशिप में साथ-साथ रहने का। भारत कितना भी प्रगतिशील हो, लेकिन इसकी बुनियाद अभी भी पारंपरिक है। भारतीय समाज की कोई भी संस्कृति कितनी भी आधुनिक क्यों न हो, वे इस बात को स्वीकार नहीं करते कि एक जोड़े का बिना विवाह किए एक-दूसरे के साथ रहना ठीक है।

विवाह दो रूहों का मिलन है दो परिवारों का आपसी स्नेह है, और संसार रथ को चलाने वाली संस्था है। माना कि परिवर्तन संसार का नियम है, पर आधुनिकता के नाम पर आजकल समाज में जो चल रहा है उसे बंधन नहीं व्यभिचार का नाम देना चाहिए। आजकल की पीढ़ी शादी के बंधन को शायद बोझ समझ रही है। या ज़िम्मेदारी से भाग रही है, कुछ कह नहीं सकते। पर ये जो लिव इन रिलेशनशिप वाला नया नाटक चल रहा है, उस प्रथा ने विवाह जैसे पवित्र बंधन की धज्जियां उड़ा रखी है। या तो करियर बनाने के चक्कर में शादी को टालना जैसे फैशन बन गया है। ऐसे तो समाज व्यवस्था तहस-नहस हो जाएगी।

लिव इन रिलेशनशिप पाश्चात्य संस्कृति से आयी है और वहां के लिए आम बात है, लेकिन भारतीय सभ्यता में बिना शादी के एक स्त्री-पुरुष के साथ रहने को स्वीकार नहीं किया जाता था, लेकिन बदलती जीवनशैली में इसे भारत में भी अपनाया जाने लगा है। आज लिव इन रिलेशनशिप में रहना बड़े शहरों में आम हो चुका है इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने इसे कानूनन वैध करार दिया है। चूंकि लिव इन को लेकर भारतीय संसद ने कोई कानून पारित नहीं किया है इसलिए सुप्रीम कोर्ट का आदेश ही इस मामले में कानून की तरह काम करता है और सुप्रीम कोर्ट लिव इन को पूरी तरह वैध मानता है। लिव इन में रह रही महिला को अपने साथी पुरुष से भरण पोषण की मांग करने का अधिकार है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह कहकर महिला को भरणा पोषण के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है कि उन्होंने कानूनी शादी नहीं की है। और लिव इन में रहने के दौरान अगर कोई संतान उत्पन्न होती है तो उसे अपने माता-पिता की संपत्ति में पूरा अधिकार होगा।

अगर यही सब करना है, सुप्रीम कोर्ट भी सहमत है तो शादी की मोहर लगाकर साथ रहने में दिक्कत क्या है?

शादी का महत्व संसार को धर्मानुसार संतान उत्पत्ति कर संसार मे मानव जाति को आगे बढ़ाना है। विवाह से मानव समाज का विकास होता है। विवाह हिन्दू समाज में एक संस्था है, हर धर्म और संप्रदाय में विवाह प्रासंगिक है। अगर विवाह न हो तो समाज में व्यभिचार फैलेगा। निश्चित रूप से हर चीज़ में बदलाव पाया जाता है। माना कि वर्तमान की युवा पीढ़ी केरियर ओरिएंटेड हो गई है, सबसे पहले वह अपने कैरियर को प्राथमिकता देते है। पैरों पर खड़ा रहना चाहते है। प्रतियोगिता के ज़माने में वैश्विक बदलाव में टिकने के लिए जद्दोजहद करते विवाह को टाल जाते है। अर्थोपार्जन की कठिनाइयों से जूझते विवाह की महत्ता भूल जाते है। विवाह दो व्यक्तियों के मध्य ही नही बल्कि दो परिवारों को भी अटूट बंधन में बाँधता है। विवाह उपरांत जीवन भर पति-पत्नी को साथ रहना हैं। सांसारिक मान्यताओं के अनुसार यह सात जन्मों का बंधन कहलाता है।

पर आजकल के लड़के लड़कियां बिना शादी किए लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगते है। जो हर तरह से अनुचित है। ऐसे रिश्ते का न कोई नाम होता है न उम्र, कब एक दूसरे से जी भर जाए और कब रिश्ता ख़त्म हो जाए कुछ कह नहीं सकते। शादी दो लोगों को जोड़े रखती है जिम्मेदारी और बंधन से रिश्ता नभता है।

अगर साथ ही रहना है तो रस्मों रिवाज़ और मान्यता पा कर रहो। प्रेम विवाह भी गलत नहीं दो संस्कृति का एक होना सामाजिक समरसता का प्रतीक है।परंतु एक दूसरे की संस्कृति को अपनाकर दो परिवारों के संस्कारों को आदर के साथ अपनाना होता है। सिर्फ दो लोगों के मिलने से ही इतिश्री नही हो जाती है। दो परिवारों का जुड़ना भी जरूरी होता है।।आज की युवा पीढ़ी दिलो के जज्बातों को ही महत्व देती हैं। वह आधुनिकता की होड़ में धर्म और विवाह से दूरी बनाते रिश्तों की अहमियत प्रासंगिकता को समझे बिना स्वैच्छिक जीवन बिताना चाहते है। पर समाज के नियमों के विरुद्ध किसी निष्कर्ष पर पहुँचना समझदारी नहीं।

शिक्षकों व अधिकारी-कर्मचारियों की हड़ताल से दूसरे दिन भी स्कूल व शासकीय दफ्तर रहे बंद

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। केंद्र के समान महगाई भत्ता व गृह भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, शालेय शिक्षक संघ संयुक्त रूप से अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। वहीं कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने भी महंगाई भत्ते व गृह भाड़े भत्ते की मांग को लेकर पांच दिन की हड़ताल पर हैं। हड़ताल के दूसरे दिन भी सरगुजा में 1884 स्कूलों के अलावा समस्त शासकीय कार्यालयों में ताला लटकता रहा। पहले दिन सीतापुर के शिक्षकों ने ढोल, मंजीरे के साथ भजन-कीर्तन कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सद्बुद्धि की कामना की थी। वहीं पहले दिन सरगुजा के सभी विकासखंडों में शिक्षकों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारम्भ किया था।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह ने बताया कि संयुक्त नेतृत्व व सामूहिक भूमिका के साथ अपनी 2 सूत्रीय मांगों को लेकर हम हड़ताल पर हैं। कर्मचारी हितों की अनदेखी राज्य सरकार द्वारा निरन्तर जारी है। हम अपने अधिकारों के लिए हड़ताल पर हैं। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया कि सरगुजा के सभी विकासखंडों के स्कूलों में तालाबंदी की स्थिति रही। हम सरकार से मांग करते हैं कि उन्हें

अगर बच्चों की पढ़ाई की चिंता है तो जल्द से जल्द हमारी मांगे पूरी करें। शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सर्वजीत पाठक ने कहा कि हमने बहुत कोशिश की कि मांगों को लेकर हड़ताल में न जाना पड़े। इसके लिए हमने सरकार के पास बार-बार निवेदन किया, लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नही रेंगा। छत्तीसगढ़ में कम डीए के कारण प्रत्येक शिक्षक को पांच हजार से लेकर दस हजार रुपए महीने का नुकसान हो रहा है। अनिश्चितकालीन हड़ताल लुंड्रा विकासखण्ड में रणबीर सिंह चौहान ,उदयपुर में लखन राजवाड़े ,सीतापुर में सुशील मिश्रा, बतौली में जवाहर खलखो, अम्बिकापुर में अमित सोनी, मैनपाट में रमेश यागिक व लखनपुर में राकेश पांडेय के नेतृत्व में जारी है शिक्षकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण स्कूलों में शैक्षणिक कार्य पूरी तरह प्रभावित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले के 2086 स्कूलों में से मात्र 202 स्कूल ही खुले रहे। यहां भी शिक्षक उपस्थित नहीं थे। केवल अतिथि शिक्षक ही पहुंचे थे। वहीं स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति नहीं के बराबर रही। उन्होंने कहा कि राज्य शासन से अभी तक कोई आदेश नहीं आया है। केवल रिपोर्ट मांगी कई है, जिसे भेज दिया गया है। इधर महंगाई व गृह भाड़ा भत्ता को लेकर लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सरगुजा द्वारा 5 दिवसीय हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी शासकीय दफ्तरों में सन्नाटा पसरा रहा। संभाग भर के कर्मचारियों ने अंबिकापुर स्थित एसबीआई के कलेक्टोरेट शाखा के सामने सभा कर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को पूरी करने की मांग की। पदाधिकारियों ने बताया कि अपनी 2 सूत्रीय मांगों को लेकर विगत 2 वर्षों से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के बावजूद सरकार द्वारा महंगाई भत्ता, गृह भाड़ा भत्ता स्वीकृत नहीं किया गया। इससे पूरे कर्मचारी अधिकारी में आक्रोश व्याप्त है।

बूस्टर डोज के प्रति जागरुक करने निकाली गई जागरुकता रैली

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। . लोगों को बूस्टर डोज लगवाने के लिए रैली निकाल कर जागरुक किया गया। सावन महीने के द्वितीय सोमवार को भगवान शिव, पार्वती, राम भक्त हनुमान और नारद मुनि का वेश धारण कर जागरुकता अभियान चलाया गया। जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देश पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों को बूस्टर डोज लगवाने के प्रति जागरूक करना है। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बूस्टर डोज लगवाएं और कोरोना संक्रमण से बच सकें। शहर के पुलिस लाइन में स्थित गौरी शंकर मंदिर से निकली यह जागरुकता रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी चौक पहुंच कर समाप्त हुआ।

विजय दिवस पर शहीद जवानों को किया गया नमन

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। . विजय दिवस के अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों द्वारा अंबिकापुर शहर में रैली निकाली गई। यह रैली कलेक्टोरेट परिसर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जय स्तंभ चौक पहुंची। जहां शहीद जवानों को नमन किया गया। वहीं इस रैली में संभाग भर से आए भूतपूर्व सैनिकों ने भाग लिया। बलरामपुर जिले से आए हुए पूर्व सैनिक धर्मेंद्र शुक्ला ने बताया सन 1999 से आज तक विजय दिवस मनाया जा रहा है। जिसमें सैनिकों को याद किया जाता है। जो शहादत हुए इसके साथ ही स्थानीय लोगों और देशवासियों में देश के प्रति जागरूकता फैलाया जाता है। रैली में शामिल हुए भूतपूर्व सैनिकों ने भारत माता की जय कारे के नारे लगाते हुए और डीजे पर देशभक्ति गीत के साथ कलेक्टोरेट परिसर से जस्तम चौक तक रैली निकाली है।

पूर्व सैनिकों का किया गया सम्मान

कारगिल विजय दिवस पर पूर्व सैनिकों के सम्मान समारोह का आयोजन पंचामृतम बेकरी, अम्बिकापुर में किया गया। कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने बहादुरी की अनोखी मिसाल पेश की थी। देश के जांबाजों ने दुर्गम परिस्थितियों का सामना करते हुए न सिर्फ हमारी सीमा में घुसे दुश्मन को मार भगाया, बल्कि हिमालय की ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराकर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। इस सर्वोच्च बलिदान के लिए देश हमेशा हमारे शहीदों का ऋणी रहेगा। कार्यक्रम में, पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व पार्षद विजय सोनी, एल्डरमैन संजीव मंदिलवार, अभय त्रिपाठी ,कांत दुबे, शैलेश पांडे, रत्नेश पांडे, परवेज आलम गांधी, विकास सिंह, सुनील दुबे उपस्थित थे।

5 बदमाशों ने फेरी वाले को मारपीट कर लूट लिया रुपए व कपड़े

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। . शहर से लगे शंकरघाट बैरियर के पास मंगलवार की सुब 11 बजे 5 बदमाशों ने साइकिल सवार फेरी वाले को मारपीट कर बिक्री के 4 से 5 हजार रुपए नगद, करीब 10 हजार का कपड़ा लूट कर फरार हो गए हैं। बदमाशों ने फेरी व्यसायी को मार कर सिर भी फोड़ दिया है। वह इसकी शिकायत कोतवाली में की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार ताहिर अली पिता हमद अली उम्र 40 वर्ष यूपी लखनऊ सीतापुर का रहने वाला है। वह अंबिकापुर स्थित अग्रसेन वार्ड में किराए के मकान में रहकर फेरी का काम करता है। वह मंगलवार की सुबह शहर से लगे ग्राम परसा की ओर साइकिल से कपड़ा बेचने गया था। करीब 11 बजे वह उधर से वापस शहर की ओर लौट रहा था। तभी शंकरघाट के समीप बैरियर के पास पहले बाइक सवार दो युवक पहुंचे और बाइक अड़ाकर साइकिल सवार फेरी वाले को रोक कर गाली गलौज करते हुए रुपए की मांग करने लगे। तभी पीछे से तीन युवक डंडा लेकर और पहुंच गए। सभी ने मिल कर फेरी वाले को मारपीट कर बिक्री के 5 हजार रुपए नगद व करीब 10 हजार रुपए का कपड़ा लूट कर फरार हो गए। इस दौरान बदमाशों ने डंडे से मार कर उसका सिर भी फोड़ दिया है। वह जख्मी हालत में कोतवाली पहुंच कर घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उत्तरवाहिनी रेणुका नदी से जल उठा कर महेशपुर से देवगढ़ पदयात्रा कर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

-नगर संवाददाता-

उदयपुर , 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। विकासखंड उदयपुर के सैकड़ों महिला एवं पुरुष कांवरिया उत्तरवाहिनी रेणुका नदी महेशपुर से जल भर कर सोमवार को लगभग 30 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर मंगलवार को देवगढ़ में अर्धनारीश्वर शिव लिंग में जलाभिषेक किया है। विदित हो कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के पावन महीने में भोले की फौज करेगी मौज कांवरिया संघ उदयपुर के तत्वाधान में आठवीं कांवर यात्रा रखी गई थी जिसमें सैकड़ों महिला-पुरुष बुजुर्ग महिलाएं बच्चे सुबह 5:00 से 6:00 के बीच उत्तरवाहिनी रेणुका नदी से जल उठा कर पहले महेशपुर शिवलिंग में जलाभिषेक किए तथा कांवर लेकर देवगढ़ के लिए रवाना हुए महेशपुर में कांवरिया बंधुओं के लिए समिति की ओर से स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी इस दौरान सभी लोग डीजे की धुन पर थिरकते हुए नजर आए उदयपुर में राधा कृष्ण मंदिर के समीप दोपहर 12:00 बजे कांवरियों के पहुंचने पर महिलाओं ने फूलों से स्वागत किया शारदा महिला मंडल की महिलाओं ने इस दौरान डीजे की धुन पर भोले की भक्ति वाले गीतों पर जमकर डांस किए। पैदल यात्रा दोपहर 1:00 बजे के करीब उदयपुर से निकली अगले पड़ाव में ग्राम सलका में विश्राम किया यहां पर भोजन करने के बाद सभी कांवरिया देवगढ़ के लिए रवाना हुए एक एक कर सभी कांवरिया बंधु सायं 7:00 बजे करीब देवगढ़ पहुंचे।

तथा मंगलवार की सुबह 2:00 से 3:00 के बीच सभी कांवरियों ने अर्धनारीश्वर भगवान भोलेनाथ पर देवगढ़ में विधिवत पूजा अर्चना कर दो लाइन में लगकर जल अर्पण किया इस दौरान देवगढ़ में आयोजित जगराता कार्यक्रम का भी लोगों ने खूब आनंद उठाया है । सूरजपुर की ओर से हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालु भक्तों एवं कांवरियों ने रात भर भोले की भक्ति का जगराता किया ।

उदयपुर पुलिस द्वारा महेशपुर एवं देवगढ़ दोनों ही जगहों पर पुलिस बल लगाई गई थी थाना प्रभारी धीरेंद्र नाथ दुबे प्रधान आरक्षक शत्रुघन सिंह तथा अन्य स्टाफ लगातार पेट्रोलिंग करते रहे। महेशपुर एवं देवगढ़ में कांवरियों के लिए रुकने एवं भंडारा की व्यवस्था समिति के लोगों द्वारा की गई थी युवा मित्र मंडली के सदस्यों जितेंद्र शर्मा शिवम साहू गोविंदा सावन अग्रवाल सत्यम सोनी सोनू राजवाड़े बबलू कश्यप नवीन कश्यप प्रकाश सोनी आशीष अग्रवाल अशोक बंसल प्रदीप अग्रवाल जिम्मी गर्ग जिमी गुप्ता राहुल श्याम मनीष यादव सचिन अग्रहरि सोमु गुप्ता लक्की अग्रवाल के साथ-साथ शारदा महिला मंडल उदयपुर की माताओं बहनों ने कांवरियों के लिए महेशपुर से देवगढ़ तक अपनी सेवाएं दी हैं।

भूजल संबंधित सार्वजनिक कार्यक्रम सम्पन्न

बैकुण्ठपुर 26 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। स्व.डॉ.रामचंद्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कोरिया छ.ग. द्वारा जल शक्ति मंत्रालय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग भारत सरकार एवं केंद्रीय भूमिजल बोर्ड, रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय सेमिनार भूजल संबंधित सार्वजनिक एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 26/07/2022 को किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. डी. के. गुप्ता (अधिष्ठाता, स्व.डॉ.रामचंद्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कोरिया, (छ.ग.)) द्वारा भूजल को बढ़ाने एवं उनके संरक्षण पर व्याख्यान दिया गया साथ ही भूजल वैज्ञानिक कु. श्वेता महंती द्वारा भारत में भूजल के परिदृश्य कोरिया, (छ.ग.) के विशेष संदर्भ पर व्याख्या किया गया। श्री सुदीप्त सुंदर परीड़ा (भूजल वैज्ञानिक) द्वारा जलभृत् मैपिंग एवं कृत्रिम विधि से जलभराव के ऊपर व्याख्यान किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षकगण, अधिकारी एवं कर्मचारी सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। कार्यक्रम में लगभग 110 प्रतिभागी सम्मिलित रहे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भूजल की वर्तमान स्थिति में दोहन को देखते हुए उसके संरक्षण एवं संवर्धन के उपायों के बारे में छात्र छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया।

सैनिक स्कूल में हुआ सेलिब्रेशन फूड फेस्ट का आयोजन

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। मेजर सोमनाथ स्टेडियम में मंगलवार को सैनिक स्कूल के कैडेटों के लिए एक विशेष फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सैनिक स्कूल की प्राचार्य कर्नल मिताली मधुमिता उपस्थित थीं। स्कूल की प्राचार्य ने बताया कि यह समारोह सी.बी.एस.ई. के द्वारा घोषित दसवीं एवं बारहवीं के शत-प्रतिशत परीक्षा परिणामों के उपलक्ष्य में

आयोजित किया गया जिसमें स्कूल के लगभग 700 से अधिक कैडेट तथा लगभग 300 से अधिक कर्मचारी एवं उनके परिवार एक स्थान पर एकत्र हुए।ज्ञातव्य है कि सैनिक स्कूल अंबिकापुर के दसवीं के कुल 101 कैडेटों में 98 प्रतिशत अंकों के साथ कैडेट अभिषेक महतो को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ और 100 कैडेटों को 60 प्रतिशत से अधिक, 96 कैडेटों को 75 प्रतिशत से अधिक तथा 42 कैडेटों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए। बारहवीं के परीक्षा परिणामों में कैडेट शुभम तिवारी को 92 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

लम्बे समय से कर रहा था अस्मत से खिलवाड़

-ईस्नु प्रसाद यादव-

जनकपुर 26 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के दूरस्थ क्षेत्र कोटाडोल थाना अंतर्गत पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ लंबे समय तक दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है साथ ही उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया पीड़िता 24 जुलाई 2022 को कोटाडोल थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी रविचन्द पोर्ते के साथ वर्ष 2018 से जान पहचान थी। वे लोग आपस मे मोबाईल से बातचीत करते थे। इसी बीच आरोपी रविचन्द पोर्ते ने पीड़िता से वादा किया मैं तुमसे शादी करूंगा और पत्नि बनाकर रखूंगा। पीड़िता उसकी बातों में आ गई। इसी बात का फायदा उठाकर आरोपी 1 जुलाई 2019 को पीड़िता को अपने कमरे मे रात को बुलाया और बहला फुसला कर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया। दोनो के बीच प्रेम संबंध चलने लगा। पीड़िता आरोपी रविचन्द पोर्ते को जब भी शादी करने लिए बोलती थी तो आरोपी शादी के नाम पर टाल मटोल करने लगा और इस प्रकार करीब डेढ़ साल तक 29 अप्रैल 2021 तक पीड़िता का दैहिक शोषण करते रहा।

जब पीड़िता ने शादी करने के लिये ज्यादा दबाव बनाया तो आरोपी ने शादी करने से साफ इंकार कर दिया और बोलने लगा की समझौता कर लो एक लाख रूपए दिया जायेगा।

पीड़िता की लिखित रिपोर्ट पर आरोपी रविचन्द पोर्ते के विरुद्ध थाना मे अपराध क्रमांक 31/2022 धारा 376. (2)(ढ), 506 पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय त्रिलोक बंसल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस राकेश कुमार कुर्रे के मार्गदर्शन में आरोपी को थाना कोटाडोल की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज होने के 24 घंटे के अन्दर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

दस हाथियों के दल का उत्पात

दो मकान तोड़े,किसानों की फसलें उजाड़ दीं

-ईस्नु प्रसाद यादव-

जनकपुर 26 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कोरिया के लोगों को आयेदिन हाथियों के उत्पात का सामना करना पड़ता है एक बार फिर से बीते सोमवार को हाथियों के दल ने कोरिया में दो मकान तोड़ दिये लोगों के खेतों की फसलें बर्बाद कर दीं

कोरिया-वन मंडल कोरिया के वन परिक्षेत्र कोटाडोल में सोमवार की रात हाथियों के दल ने दो घरों में तोड़फोड़ कर दी साथ ही घर में रखा अनाज भी खा गये। ग्रामीणों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई।

मिली जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र कोटाडोल के अंतर्गत आने वाले ग्राम नेरूआ में सोमवार की रात अचानक हाथियों के दल ने आमद दे दी। अचानक हाथियों को देखकर ग्रामीणों के हाथ पांव फूलने लगे और लोगों ने सुरक्षित स्थान पर जाकर अपनी जान बचाई। हाथियों ने वहां रहने वाले ग्रामीण इंद्रभान सिंह पिता लालमन सिंह और तिलक राज सिंह पिता वीरेन्द्र सिंह के कच्चे मकान में हमला कर दिया। मकान में तोड़फोड़ करने के बाद उन्होंने घर में रखे अनाज को खा लिया। इसके बाद हाथी जंगल की ओर चले गये वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी गांव में जाकर मुनादी करा रहे हैं ग्रामीणों को समझाइश दिया जा रहा है।

बाल तस्करी पर हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राकेश बिहारी घोरे के मार्गदर्शन में तथा सचिव श्री अमित जिन्दल के निर्देश पर पी.एल.वी. कुमारी रेणु दास ने मंगलवार को लक्ष्मीपुर स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर उपस्थित विद्यार्थियों को बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम में यह प्रावधान है कि पक्षकार यदि चाहे तो बाल विवाह को शून्य घोषित करा सकते है ।बताया गया कि बाल विवाह के लिए यदि किसी बच्चे को उसके माता-पिता के पास से ले जाया जाता है या अवैध साधनों द्वारा ले जाया जाता है या उसे बेचा जाता है तो ऐसा बाल विवाह शून्य होगा तथा बाल विवाह करने वाले पुरुष को दो वर्ष के कारावास या एक लाख रूपये जुर्माना या दोनों हो सकता है तथा बाल विवाह कराने वाला या उसका अनुष्ठान कराने वाले व्यक्ति को भी दो वर्ष के कारावास या एक लाख रुपये जुर्माना या दोनों हो सकता है।

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)।डॉ लोकेश शरण बिहार राज्य के समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय ब्लाक के रहने वाले पत्रकार और अच्छे लेखक इतिहासकार के रूप में इनकी एक अलग पहचान है , इनके पुत्र अवनीश शरण छतीसगढ़ में आईएएस अफसर के पद पर है, डॉ शरण को पशु पक्षियों से काफी प्रेम है और जब भी इन्हें मौका मिलता है तो अपने कैमरे में पशु पक्षियों की बेहतरीन तस्वीरे कैद कर हमारे बीच ले आते है, दो मैना पक्षीओ की अच्छी तस्वीर कैद की है अपने कैमरे पर,

दिव्यांग हिरमनिया व लक्ष्मी को मिली ट्राइसिकल

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में दूर दराज से आये लोगां की समस्याएं सुनी। उन्होंने लोगां से प्राप्त करीब 41 आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियां को निर्देशित किया। इस दौरान लुण्ड्रा विकासखण्ड के ग्राम झेराडीह निवासी दिव्यांग हिरमनिया व लक्ष्मी कश्यप को समाज कल्याण विभाग के द्वारा ट्राइसिकल दिया गया।

कलेक्टर ने जन चौपाल में लोगां की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारियां को गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन चौपाल में मिले एक भी आवेदन लंबित नहीं रहना चाहिए। लोग दूर-दूर से अपनी समस्या इस उम्मीद से लेकर आते है कि यहां आने के बाद समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने अनुभाग स्तरीय जन समस्या शिविर में स्थानीय समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

जन चौपाल में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार लंगेह, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई, डीएफओ श्री पंकज कमल, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक शुक्ला, एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अब हाइवे सेक्टर का बड़ा खिलाड़ी बनेगा अदाणी ग्रुप,एजीएम में मिला संकेत

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। देश के सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी अब हाइवे सेक्टर में तेजी से कदम जमाने जा रहे हैं। ऐसा संकेत उन्होंने समूह के शेयरधारकों को मंगलवार को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह कभी भी भारत में निवेश से पीछे नहीं हटा है क्योंकि समूह की वृद्धि देश की आर्थिक प्रगति से जुड़ी हुई है।

देश का इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माता

अदाणी ने कहा कि वह भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माता के रूप में विकसित हो रहे हैं। साथ ही देश के कुछ बड़े रोड कॉन्ट्रैक्ट्स जीत रहे हैं। जबकि पोर्ट्स, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन, सिटी गैस व पाइप्ड नेचुरल गैस जैसे व्यवसायों में पहले से पर्याप्त मार्केट शेयर बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि अदाणी समूह देश में बंदरगाह के क्षेत्र में पहले से ही बड़ा प्लेयर है। इसके साथ ही हवाई अड्डा के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ा है। आज देश का दूसरा सबसे व्यस्त, मुंबई हवाई अड्डा अदाणी समूह का है।

सीमेंट का तीसरा सबसे बड़ा निर्माता

उन्होंने कहा कि भारत में होल्सिम की संपत्ति के अधिग्रहण के बाद, जिसमें देश भर में दो सबसे अधिक मान्यता प्राप्त ब्रांड, एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स शामिल हैं, अब उनका समूह भारत में दूसरे सबसे बड़ा सीमेंट निर्माता बन गया है। यह कार्यस्थल पर उनके समीपता-आधारित बिज़नेस मॉडल का एक उपयोगी उदाहरण है। इसके अलावा, उन्होंने डेटा सेंटर, डिजिटल सुपर ऐप और इंडस्ट्रियल क्लाउड से लेकर रक्षा और एयरोस्पेस, मेटल और मटेरियल तक के क्षेत्रों में भी एंट्री की है, और यह सभी सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

मार्केट कैटिलाइजेशन 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा

अदाणी के मुताबिक इस साल उनका ग्रुप मार्केट कैपिटलाइजेशन 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। उनका समूह अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अरबों डॉलर जुटाने में सक्षम था, जो भारत और अदाणी

के विकास की कहानी में खुद पर भरोसे का एक प्रत्यक्ष सत्यापन है। उनक विकास और सफलता को दुनिया भर में मान्यता मिली है। कई विदेशी सरकारें, अब अपने भौगोलिक क्षेत्रों में काम करने और उनके इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण में मदद करने के लिए उनसे संपर्क कर रही हैं। इसलिए 2022 में, हमने भारत की सीमाओं से परे, व्यापक विस्तार की तलाश की नींव रखी है।

रिन्यूवल एनर्जी पर 70 अरब डॉलर का निवेश

अदाणी ने कहा कि उनका समूह देश में एक नए ऊर्जा कारोबार पर 70 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी मदद से भारत कच्चे तेल के आयातक की जगह हरित हाइड्रोजन का निर्यातक बन जाएगा। अदाणी ने कहा, ÷हमने कभी भी भारत में अपने निवेश को न तो धीमा किया है और न ही निवेश से अपने कदम पीछे खींचे हैं।÷ अदाणी के मुताबिक, समूह की सोच है कि उसकी सफलता भारत की वृद्धि के साथ जुड़ी हुई है।

पिता जी 100वीं जयंती और उनका 60 वां जन्मदिन

भाषण के दौरान वह अपने पिता को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा ÷यहां पर मैं अपने कुछ विशेष शब्दों के साथ 2022 को एक वर्ष के रूप में प्रतिबिंबित करने के लिए कुछ क्षण लेना चाहता हूं। यह मेरे प्रेरक और आदर्श पिता श्री शांतिलाल अदाणी की 100वीं जयंती और मेरे 60वें जन्मदिन का प्रतिनिधित्व करता है। इस माइलस्टोन को चिह्नित करने के लिए, अदाणी परिवार एक साथ आया और विशेष रूप से ग्रामीण भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुए, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कौशल विकास से संबंधित धर्मार्थ गतिविधियों के लिए 60,000 करोड़ रुपये का योगदान देने का फैसला किया।ऋ्रऋ इन तीन क्षेत्रों को अलग-अलग के बजाय समग्र रूप से देखा जाना चाहिए, क्योंकि ये सामूहिक रूप से एक समान और भविष्य के लिए तैयार भारत के कार्यवाहक बनाते हैं। हमारे पास भारत में लाखों लोगों को स्थायी रूप से गरीबी से बाहर निकालने का अवसर है। हम इसके लिए न केवल अपने बल्कि अपने देश के भी ऋणी हैं। लार्ज प्रोजेक्ट प्लानिंग और निष्पादन में हमारा अनुभव और अदाणी फाउंडेशन द्वारा चल रहे कार्यों से सीखने से, हमें इन कार्यक्रमों को उन समाजों के क्षेत्रों में विशिष्ट रूप से गति देने तथा लागू करने में मदद मिलेगी, जिन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है।÷

सेलिब्रिटी और इंफ्लूएंसर्स के बीच अचानक बढ़ी वकीलों की डिमांड,आखिर माजरा क्या है?

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। विज्ञापनों को लेकर पिछले महीने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के नए दिशानिर्देश प्रभाव में आ गए थे। भ्रामक और आपत्तिजनक विज्ञापनों के कई मामले सामने आने के बाद सीसीपीए को नए दिशानिर्देश लाने पड़े थे। इन दिशानिर्देशों के लागू होने के बाद इंडिविजुअल्स और इंफ्लूएंसर्स अब अदालत में जाने से बचने के लिए वकीलों का सहारा ले रहे हैं। ये लोग लीगल फर्मस को हायर कर रहे हैं। इनका काम विज्ञापनों में किये गए दावों की जांच करना और उन्हें कानूनी शिकंजे से बचाना है। विज्ञापन एजेंसियों, कानूनी फर्मों और टैलेंट मैनेजमेंट फर्मस के अधिकारियों ने यह बात कही है।

बड़े सेलिब्रिटी अपने स्तर पर बरत रहे काफी सावधानी

विशेष रूप से बड़े सेलिब्रिटीज अपने स्तर पर ही विज्ञापनों की जांच-परख कर रहे हैं और अब बेहद सावधान हैं। प्रियंका चोपड़ा और शाहरुख खान के साथ काम करने वाली एक टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी क्रॉसओवर मैनेजमेंट की फाउंडर विनीता बांगर्ड ने यह बात कही है। उन्होंने कहा, ÷सेलिब्रिटी किसी के लिए भी आसान टार्गेट होते हैं। इसलिए हर कोई पेशेवर कानूनी मदद ले रहा है।÷ अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम और टम्बलर अकाउंट पर पोस्ट किया कि अब आप क्या विज्ञापन कर रहे हो, इसे लेकर सख्त नियम हैं।

कानूनी सलाहकारों के लिए खुला प्रैक्टिस का नया सेक्टर

लॉ फर्म पायनियर लीगल की पार्टनर पृथा झा का कहना है कि इसने कानूनी सलाहकारों के लिए प्रैक्टिस का एक नया क्षेत्र खुल रहा है। उन्होंने कहा, ÷सेलिब्रिटी क्लाइंट्स की ओर से वकीलों द्वारा किस स्तर तक सावधानी रखनी चाहिए, वह चर्चा का एक प्रमुख बिंदु बन रहा है।÷

सेलिब्रिटी भी हैं दावों के लिए जवाबदेह

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाला सीसीपीए द्वारा पिछले महीने जारी किए गए नए दिशानिर्देशों का उद्देश्य भ्रामक विज्ञापनों पर अंकुश लगाना है। सेलिब्रिटीज अपने द्वारा विज्ञापन में किये गए दावों के लिए कानूनी रूप से जवाबदेह हैं। उन्हें विज्ञापन में किये दावों के संबंध में उचित देख-रेख करने का प्रमाण देना होता है। साथ ही उन्हें ब्रांड से कोई भी लाभ मिला है, तो उसकी जानकारी देनी होती है। बच्चों को टार्गेट करने वाले और बच्चों को दिखाने वाले विज्ञापनों पर भी दिशानिर्देश सख्त हैं। इसके अलावा मुफ्त का झांसा देने वाले विज्ञापनों के लिए भी सख्त दिशानिर्देश हैं।

किसी कानूनी पचड़े में नहीं फंसना चाहते सेलिब्रिटी

विज्ञापन एजेंसी एफसीबी ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष रोहित ओहरी ने कहा, ÷इन दिशानिर्देशों ने मशहूर हस्तियों और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के लिए विज्ञापन में किए गए दावों की सटीकता के बारे में कानूनी रूप से उचित परिश्रम करना अनिवार्य बना दिया है। यह उपभोक्ताओं के हित में है।÷ एक अन्य लीगल फर्म के सीईओ ने कहा, %कुछ बड़े एक्टर्स और खिलाड़ी हम तक पहुंच रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली, 26 जुलाई 2022। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में मंगलवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो

माह से ईंधन की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं होने से आम-आदमी के लिए यह राहत बनी हुयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश~ 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.26 प्रतिशत चढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 1.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

बाजार में गिरावट खत्म,मार्केट एक्सपर्ट ने किया ऐलान,बताया कौन-सा शेयर है फेवरेट!

- **मार्केट एक्सपर्ट हिरेन वेद का मानना है कि शेयर बाजार में गिरावट का दौर खत्म हो गया है.**
- **अगले दो साल में निफ्टी कंपनियों की ग्रोथ 15-16 फीसदी रह सकती हैं.**
- **बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों के शेयरों ने बाजार में तेजी लाने में बड़ी भूमिका निभाई.**

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2022। शेयर बाजार में गिरावट का दौर खत्म हो गया है. तमाम बाधाओं के बावजूद, कंपनियों ने जून तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया है. यह कहना है कीमिया कैपिटल मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी हिरेन वेद का. CNBC-TV18 से बातचीत में उन्होंने शेयर बाजार

पर विस्तार से चर्चा की.

बाजार के प्रति वेद का नजरिया सकारात्मक है. इसका एक ही कारण है कि मुश्किलों के बावजूद कंपनियां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं. अगले दो साल में निफ्टी कंपनियों की ग्रोथ 15-16 फीसदी रह सकती हैं. उन्होंने कहा है कि यही कारण है कि भारतीय बाजार बहुत लचीला रहा है.

बैंकिंग सेक्टर ने निभाई बड़ी भूमिका

पिछले एक महीने में बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों के शेयरों ने बाजार में तेजी लाने में बड़ी भूमिका निभाई. निफ्टी और सेंसेक्स में उनकी 40 फीसदी हिस्सेदारी है. कई महीनों की सुस्ती के बाद इन शेयरों में खरीदारी होती दिख रही है. इस वजह से सूचकांक ऊपर जा रहे हैं. जून में अपने निचले स्तर को छूने के बाद से निफ्टी में करीब 9 फीसदी की तेजी आई है. निफ्टी बैंक इंडेक्स इस साल जून में अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर से 14 फीसदी चढ़ गया है.

बदल रही है टॉप शेयरों की सूची

वेद ने कहा, ÷यहां से, वित्तीय कंपनियां बाजार का नेतृत्व करेंगी. ऋण वृद्धि बहुत अच्छी है. अधिकांश बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन में वृद्धि हुई है.÷ उन्होंने कहा कि बैंकिंग शेयरों पर नजर डालें तो अब टॉप शेयरों की सूची बदल रही है.।

अगस्त में आने वाली है लॉन्ग वीकेंड्स की बहार,तो अभी से कर लें इन जगहों पर छुट्टियां बिताने का प्लान

अगस्त का महीना आने में बस 5 दिन बचे हैं और इस महीने में रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जनमाष्टमी ये तीनों ही फेस्टिवल हैं। मतलब दो लॉन्ग वीकेंड्स, तो अगर आप भी जॉब में हैं और 4 से 5 दिन घूमने वाली जगहों के लिए लॉन्ग वीकेंड्स का इंतजार करते हैं तो ये मौका बेस्ट है जब आप ऐसी जगहों की प्लानिंग कर सकते हैं। क्योंकि अगस्त में भी मानसून अपने चरम पर होता है तो कई जगहों पर इस मौसम में जाना खतरनाक हो सकता है लेकिन दूसरी ओर भारत में ऐसी जगहें भी हैं जिनकी खूबसूरती मानसून के दौरान और ज्यादा बढ़ जाती है यो कहें कि यहां घूमने का बेस्ट सीज़न ही मानसून होता है। तो जान लें इन जगहों के बारे में और आज से ही शुरू कर दें प्लानिंग।

महाबलेश्वर

महाबलेश्वर महाराष्ट्र के सबसे बड़े और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक है। दूर-दूर तक फैली हरियाली, जंगल, झरनें, झीलें, घाटियां मतलब ट्रिप को यादगार और मजेदार बनाने के लिए हर एक नजारे यहां मौजूद हैं। अगर आप नेचर लवर हैं तो स्योर आपको ये जगह बहुत पसंद आएगी।

मुन्नार

केरल का बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां आप पार्टनर के साथ आएं या फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। एडवेंचर से लेकर नेचर लवर दोनों ही तरह के घुमक्कड़ों

के लिए ये जगह जन्नत से कम नहीं।

अंडमान एंड निकोबार

अंडमान एंड निकोबार जाने के लिए भी मानसून सीजन बेस्ट है। इस मौसम में आप यहां की प्लानिंग कर काफी सारे पैसे भी बचा सकते हैं। तो यहां की प्लानिंग बना रहे हैं तो टिकट की जितनी जल्द बुकिंग करा लें उतना अच्छा होगा। यहां के शांत और सुकून भरे माहौल में घूमने और फोटोग्राफी का अपना अलग ही मजा है।

मेघालय

बारिश के दौरान वॉटरफॉल का नजारा देखने लायक होता है और मेघालय में तो अनगिनत झरने हैं, तो क्यों न यहां का प्लान बनाएं अगस्त के महीने में। झरनों के अलावा यहां पहाड़, एशिया के सबसे साफ-सुथरे गांव को भी देख सकते हैं।

कुर्ग

कर्नाटक का कुर्ग भी अगस्त माह में घूमने के मुफीद हिल स्टेशन है। जहां आप प्रकृति के खूबसूरत नजारों को करीब से देख सकते है। इसके अलावा तिब्बती मठ, मंडला पट्टी और दुबारे एलिफैंट कैंप जैसी जगहें भी हैं जो आपके ट्रिप को मजेदार बना देंगी।

क्या होता है ह्यूमिडिफायर और इसका इस्तेमाल करना कैसे है लाभदायक

ह्यूमिडिफायर एक ऐसा उपकरण है, जो घर में नमी को बढ़ाने का काम करता है। वैसे अमूमन मरीजों को आराम देने के लिए मेडिकल वेंटिलेटर में ह्यूमिडिफायर शामिल होता है क्योंकि गर्म और शुष्क जलवायु में जब नमी का स्तर 10-20त्न तक गिर जाता है तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। घरों में 30-50 प्रतिशत नमी होनी जरूरी है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि ह्यूमिडिफायर कैसे काम करता है और यह आपके लिए उपयोगी क्यों है।

ह्यूमिडिफायर के प्रकार- कंसोल ह्यूमिडिफायर पूरे घर में नमी उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त होते हैं। स्टीम वेपोराइजर भाप बनाने के लिए बिजली का इस्तेमाल करते हैं, जिसे डिवाइस से बाहर निकलने से पहले ठंडा किया जाता है। अल्ट्रासोनिक ह्यूमिडिफायर पानी को वाष्पीकृत करने के लिए कंपन का इस्तेमाल करते हैं। दूसरी ओर वाष्पीकरण करने वाले पानी के वाष्पीकरण से पहले हवा से नमी पैदा करते हैं। सेंट्रल एयर कंडीशनिंग से जुड़े सेंट्रल ह्यूमिडिफायर पूरी एक इमारत के लिए बेहतर होते हैं।

ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करने से मिलने वाले फायदे- ह्यूमिडिफायर कम नमी के कारण होने वाले एटोपिक डर्मेटाइटिस और सेबोरहाइक डर्मेटाइटिस जैसी त्वचा संबंधित समस्याओं से सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है। यही नहीं, यह सेबोरहाइक डर्मेटाइटिस के रोगियों को होने वाली समस्याएं जैसे लालिमा, पपड़ीदार त्वचा के घावों और बालों का झड़ना आदि के जोखिम भी कम करता है। ह्यूमिडिफायर का उपयोग आपको ड्राई आई सिंड्रोम से बचाए रखने में भी सहायक है। यह एक समस्या है, जिसमें आंखें पर्याप्त आंसू का निर्माण नहीं कर पाती हैं।

ह्यूमिडिफायर के इस्तेमाल से घर को मिलने वाले लाभ- स्वास्थ्य से जुड़े लाभों के अलावा ह्यूमिडिफायर आपके फर्नीचर, घर की सजावट और फर्श के लिए भी लाभदायक है। दरअसल, कम नमी के कारण लकड़ी का फर्नीचर, घर की दीवारे और फर्श के खराब होने या इनमें दरारें उत्पन्न का कारण बन सकती है। बहुत कम नमी के कारण कागज से बनी चीजें जैसे किताबें और वॉलपेपर भी खराब हो सकते हैं।

ह्यूमिडिफायर के नुकसान- अगर आप एक गंदे ह्यूमिडिफायर का उपयोग करते हैं तो इसके कारण आपको कई समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है क्योंकि गंदा ह्यूमिडिफायर बैक्टीरिया और फफूंद को उत्पन्न करता है। यहीं नहीं, इसका अधिक इस्तेमाल घर में अधिक नमी उत्पन्न करता है, जो दीवारों में सीलन समेत फफूंद का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, स्टीम बेस्ड ह्यूमिडिफायर गर्म होते हैं और अगर सावधानी से इनका इस्तेमाल न किया जाए तो इससे त्वचा के जलने का खतरा रहता है।

ह्यूमिडिफायर को साफ करने का तरीका- सबसे पहले उपकरण को अनप्लग करें और इसे खाली करें, फिर इसके टैंक को रोजाना पानी से धोकर सुखाएं। हफ्ते में एक बार इसे कीटाणुरहित करने के लिए सिरके के घोल का उपयोग करें। इसके टैंक को कई बार पानी से धोकर सुखाएं ताकि कोई भी सफाई रसायन न रहे और जब आप इसका उपयोग कर रहे हों तो इसकी भाप हवा में मिल जाए। इसके फिल्टर को बार-बार जांचें और निर्माता के निर्देशों के अनुसार उन्हें बदलें।

एक्सरसाइज के बाद बॉडी में होता है दर्द,करें यह उपाय

अपनी फिटनेस और बॉडी को शेप (body shape) में रखने के लिए लोग वर्कआउट करते हैं। लेकिन कई बार वर्कआउट (workout) के बाद मांसपेशियों में होने वाले दर्द की वजह से लोग अपने फिटनेस गोल को बीच में ही अधूरा छोड़ देते हैं। वर्कआउट के बाद दर्द होना इस बात का संकेत है कि आपने मजबूती से मांसपेशियों को रिपेयर करने का काम किया है। कई बार यह दर्द लगातार वर्कआउट करने से दूर भी हो जाता है। आपका शरीर इतना स्मार्ट है कि यह खुद आपको बताएगा कि कब आपकी मांसपेशियों की रिपेयरिंग का काम खत्म हो गया है। लेकिन वर्कआउट के एक सप्ताह के बाद भी अगर आपकी मांसपेशियों में दर्द बना रहता है तो आप ये उपाय अपनाकर इस दर्द को कम कर सकते हैं।

स्ट्रेचिंग- वर्कआउट के बाद मांसपेशियां रिकवरी मोड में रहती हैं। जिसकी वजह से उनमें कसाव आ जाता है और व्यक्ति को दर्द महसूस होने लगता है। इस दर्द से बचने के लिए स्ट्रेचिंग धीरे-धीरे करें। इससे मांसपेशियों में कसाव और दर्द दोनों कम होगा।

हल्की मसाज- दर्द वाली मांसपेशियों में मसाज करने से कसाव कम होने के साथ रक्त संचार भी बढ़ता है। रक्त संचार अच्छा होने से मांसपेशियों की रिकवरी में तेजी आती है और इससे मांसपेशियों का दर्द जल्दी खत्म होता है।

गुनगुने पानी से नहाना- गुनगुने पानी से नहाने से मांसपेशियां ढीली पड़ती हैं और रक्त संचार में तेजी आती है। बेहतर रक्त संचार का मतलब है दर्द भरी मांसपेशियों में अधिक ऑक्सीजन और रक्त का पहुंचना। इससे दर्द से जल्दी राहत मिलती है।

गरम या ठंडा इलाज- मांसपेशियों के दर्द से राहत पाने के लिए 15 मिनट उस विशेष स्थान पर बर्फ का पैक लगाएं, जहां दर्द हो रहा है। इसके बाद उसी स्थान पर 15 मिनट के लिए गरम पैक लगाएं। ऐसा कई बार दोहराएं। गर्म के बाद ठंडे से रक्त संचार में तेजी आती है और मांसपेशियां जल्दी ही खुद को मजबूत बनाने के साथ-साथ रिपेयर भी करती हैं।

दर्द से बचने के लिए ध्यान रखें ये बातें

* वर्कआउट के दौरान दर्द न हो, इसके लिए अपने शरीर की क्षमता और स्टैमिना की जांच करें कि हम कैसे खुद को एक्सरसाइज के लिए कैसे तैयार कर सकते हैं। वर्कआउट ऐसे करें कि आपको खुशी का अहसास हो।
* दूसरा, वर्कआउट करते समय अपने पहनावे पर विशेष ध्यान दें। अच्छे जूते पहनकर ही वॉक करें।
* ध्यान रखें कि आपके जूते में पैडिंग अच्छी हो ताकि घुटने और टखने सुरक्षित रह सकें।कपड़े भी हल्के और ढीले पहनें।
* तीसरा, एरोबिक डांस करती हैं तो नी पैड जरूर पहनें।
* चौथा, अगर आपकी मांसपेशियों में पहले से किसी तरह का दर्द है तो वर्कआउट शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

भारत को छोड़ ज्यादातर बड़े देशों पर पड़ेगी मंदी की मार,बाइडन बोले-हम मंदी के दौर में नहीं जा रहे

वाशिंगटन, 26 जुलाई 2022। महंगाई के मोर्चे पर लगातार बढ़ रही चुनौती को लेकर दुनिया के ज्यादातर देश चिंतित हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दावा किया है कि अमेरिका में मंदी का दौर नहीं आने जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, ÷मेरे विचार में, हम अभी मंदी के दौरा में नहीं जा रहे हैं।÷ बाइडन ने आगे कहा, ÷अमेरिका में बेरोजगारी दर अभी भी इतिहास में सबसे कम है। यह मात्र 3.6 फीसदी क्षेत्र में है। हम अभी भी खुद को निवेश करने वाले लोगों के साथ पाते हैं...÷

जो बाइडन ने कहा, ÷मेरी आशा है कि हम इस तीव्र विकास से स्थिर विकास की ओर बढ़ेंगे, इसलिए हमारी अर्थव्यवस्था कुछ नीचे आती दिखेगी। यह भगवान की इच्छा है, मुझे नहीं लगता कि हम मंदी का दौर देखने जा रहे हैं।

भारत को छोड़ ज्यादातर बड़े देशों पर पड़ेगी मंदी की मार

भारत को छोड़कर अमेरिका और चीन जैसे दुनिया के ज्यादातर बड़े देशों में मंदी की आशंका गहराती जा रही है। आर्थिक संकेतकों के आधार पर ब्लूमबर्ग की ओर से दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए सर्वे में दावा किया गया है, पहले से ही आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे कई एशियाई देश भी मंदी की चपेट में आ सकते हैं।

सर्वे के मुताबिक, चीन के मंदी में फंसने की आशंका 20 फीसदी है। अमेरिका की 40 फीसदी व यूरोप की 55 फीसदी है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि महंगाई पर काबू पाने के लिए दुनिया के केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं। इससे मंदी की आशंका बढ़ गई है। एशियाई अर्थव्यवस्थाएं यूरोप और अमेरिका के बजाय ज्यादा लचीली नजर आ रही हैं। मोटे तौर पर एशियाई देशों के मंदी में घिरने की आशंका 20 से लेकर 25 फीसदी है।

श्रीलंका पर सबसे ज्यादा 85 फीसदी संकट

सर्वे में दावा किया गया है कि श्रीलंका इस संकट से सबसे बुरी तरह प्रभावित होगा। साल के आखिर में या अगले साल तक इस बात की 85 फीसदी आशंका है कि यह मंदी से जूझ रहा होगा। हालांकि, इससे पहले कराए गए सर्वे में श्रीलंका के मंदी में फंसने की आशंका महज 33 फीसदी थी।

अर्थशास्त्रियों ने कहा, अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों की तरह न्यूजीलैंड, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया एवं फिलीपीन के केंद्रीय बैंक लगातार बढ़ रही महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहे हैं।

छोटे देशों में खतरा कम

न्यूजीलैंड	33 फीसदी
द.कोरिया	25 फीसदी
जापान	25 फीसदी
हांगकांग	20 फीसदी
ऑस्ट्रेलिया	20 फीसदी
ताइवान	20 फीसदी
पाकिस्तान	20 फीसदी
मलयेशिया	13 फीसदी
वियतनाम	10 फीसदी
थाईलैंड	10 फीसदी
फिलीपीन	08 फीसदी
इंडोनेशिया	03 फीसदी

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को दी बधाई,जल्द ही सिंगापुर से श्रीलंका लौटेंगे राजपक्षे

कोलंबो , 26 जुलाई 2022। आर्थिक संकटों का सामना कर रहे द्वीप राष्ट्र श्रीलंका में हालात सुधरते नहीं दिख रहे। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर रानिल विक्रमसिंघे को बधाई दी है। इससे एक दिन पहले ही रानिल विक्रमसिंघे ने भारत की नवनियुक्त राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शुभकामनाएं दी थीं। इसी बीच, एक और बड़ी खबर आई है। दावा किया जा रहा है कि श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे छिपे नहीं हैं और वे जल्द ही सिंगापुर से देश वापस लौटेंगे।

जल्दी देश वापस लौटने की उम्मीद- साप्ताहिक कैबिनेट मीडिया ब्रीफिंग में राजपक्षे के बारे में पूछे जाने पर कैबिनेट प्रवक्ता गुनावर्धने ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति छिपे नहीं थे। उनके जल्दी ही सिंगापुर से लौटने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि पूर्व राष्ट्रपति देश छोड़कर भाग गए हैं और छिपे हुए हैं। हालांकि, उन्होंने राजपक्षे की संभावित वापसी के बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी। गुनावर्धने परिवहन और राजमार्ग और मास मीडिया मंत्री भी हैं।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के मामले में दिया बयान- श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के लिए सिंगापुर के अटॉर्नी जनरल से किए गए अनुरोध पर टिप्पणी करते हुए, कैबिनेट प्रवक्ता ने कहा कि यदि कोई स्थिति है, तो देश में जिम्मेदार अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे कि पूर्व राष्ट्रपति को कोई नुकसान न हो।

जेलेंस्की ने स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज के नए कमांडर की नियुक्ति की

कीव ,26 जुलाई 2022। यूक्रेन के राष्ट्पति वलोदिमिर जेलेंस्की ने सशस्त्र बलों की एक शाखा, स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज (एसओएफ) के नए कमांडर की नियुक्ति की है। राष्ट्पति की वेबसाइट पर प्रकाशित डिक्री के अनुसार, विक्टर खोरेंको को एसओएफ का कमांडर नियुक्त किया गया है।

यूक्रेन के सांसद ओलेक्सी होन्चारेंको ने फेसबुक पर लिखा कि खोरेंको ने पहले रक्षा मंत्रालय के मुख्य खुफिया निदेशालय के विशेष रिजर्व के कमांडर के रूप में कार्य किया था।

खोरेंको ह्रीहोरी हलाहन की जगह लेंगे, जिन्हें जेलेंस्की ने सोमवार को बर्खास्त कर दिया था।

पिछले हफ्ते, जेलेंस्की ने अभियोजक जनरल इरीना वेनेडिक्टोवा और यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के प्रमुख इवान बाकानोव को बर्खास्त कर दिया, उन्हें अपनी एजेंसियों में बड़ी संख्या में देशद्रोहियों के साथ अपर्याप्त रूप से निपटने के लिए दोषी ठहराया गया।

कनाडा में पोप ने मूल निवासियों के बच्चों पर अत्याचारों के लिए माफी मांगी

हजारों बच्चों की हुई थी मौत

मास्क्वासिस, 26 जुलाई 2022। कनाडा में पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक चर्च के आवासीय विद्यालयों में बच्चों के साथ यौन दुराचार सहित कई तरह के अत्याचारों के लिए सोमवार को माफी मांगी। पोप ने यहां के स्थानीय लोगों से माफी मांगते हुए कहा कि अत्याचार की यह घटनाएं एक विनाशकारी नीति का नतीजा थीं। वह रविवार को अल्बर्टा प्रांत के एडमॉन्टन पहुंचे थे। यहां प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और गवर्नर जनरल मैरी मे साइमन ने उनका स्वागत किया।

पोप की ओर से जारी की गई ऐतिहासिक माफीनामे में कहा गया है कि यहां के मूल निवासियों को बलपूर्वक ईसाई समाज में समाहित कराने से उनकी संस्कृति तबाह हो गई, उन्हें परिवारों से दूर होना पड़ा। अलग-अलग परिवारों और हाशिए पर रहने वाली पीढ़ियों को आज भी महसूस किया जा रहा है। फ्रांसिस ने कहा, ''मैं उन सभी अत्याचारों के लिए माफी मांगता हूं जो कई इसाइयों ने मूल निवासियों पर ढाए।''

अल्बर्टा प्रांत के एडमॉन्टन के दक्षिण में एक पूर्व आवासीय स्कूल में बचे लोगों और स्वदेशी समुदाय के सदस्यों की तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कनाडा में फ्रांसिस के सप्ताह भर चलने वाले ÷प्रायश्चित तीर्थयात्रा÷ का पहला कार्यक्रम शुरू हुआ। पोप 24 से 30 जुलाई की यात्रा के दौरान पीड़ितों और उनके परिवारों से माफी मांगेंगे।

कनाडा पहुंचने के बाद फ्रांसिस ने चार क्री (उत्तर अमेरिकी मूलनिवासी लोग, जो पहले कनाडा में रहते थे) देशों की भूमि पर एक समाधि स्थल पर जाकर प्रार्थना की। इसके बाद फ्रांसिस पूर्व एर्मिस्किन इंडियन रेजिडेंशियल स्कूल की जगह पर पहुंचे, जो अब काफी हद तक टूट गया है। यहां उन्होंने कहा, ÷मैं स्वदेशी लोगों के खिलाफ ईसाइयों द्वारा की गई बुराई के लिए विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगता हूं।

उनके शब्द मिशनरियों के ÷निंदनीय÷ कृत्यों के लिए उनकी पिछली माफी से परे थे। साथ ही उन्होंने ÷विनाशकारी÷ आत्मसात नीति के साथ चर्च के संस्थागत सहयोग की जिम्मेदारी ली, जिसे कनाडा के सत्य और सुलह आयोग ने ÷सांस्कृतिक नरसंहार÷ की राशि बताया।

डेढ़ लाख से ज्यादा बच्चों को किया गया था जबरन भर्ती

1800 से 1990 के बीच पूरे कनाडा में कैथोलिक चर्च के 139 आवासीय विद्यालयों में मूलनिवासी, मेटिस और इनुइट समुदायों के डेढ़ लाख से ज्यादा बच्चों को जबरन भर्ती किया गया। उन्हें कैथोलिक रीति-रिवाजों को आत्मसात करने का प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें उनकी मूल संस्कृति से अलग कर दिया जाता।इसका उद्देश्य उन्हें मुख्यधारा के समाज में ईसाई बनाना और आत्मसात करना था, जिसे पिछली कनाडाई सरकारें श्रेष्ठ मानती थीं। उन्हें मातृभाषा बोलने की भी अनुमति नहीं थी। इन बच्चों में से छह हजार से ज्यादा अत्याचारों के कारण मारे गए।

अफगानिस्तान की स्थिति पर ताशकंद में शुरू हुआ दो दिवसीय सम्मेलन,भारत ने 20 देशों के साथ की चर्चा

ताशकंद, 26 जुलाई 2022। उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। इसके पहले दिन भारत ने सोमवार को करीब 20 देशों के साथ अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा में शामिल हुआ। सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ राजनयिक जेपी सिंह ने किया। गौरतलब है कि जेपी सिंह अफगानिस्तान के लिए विदेश मंत्रालय के प्वाइंट पर्सन हैं।

पिछले हफ्ते उज्बेकिस्तान ने इसकी जानकारी दी थी। उसने कहा था कि इस बैठक का उद्देश्य अफगानिस्तान में स्थिरता, सुरक्षा, संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण को बढ़ावा देने के लिए विश्व समुदाय के दृष्टिकोण के लिए उपाय तलाशना है। साथ ही इस सम्मेलन के उद्देश्य आतंकवाद का मुकाबला करने में विश्व समुदाय द्वारा एक आम स्थिति बनाने के साथ ही काबुल और अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के बीच में मौजूदा सरकार के बीच रचनात्मक बातचीत सुनिश्चित करना शामिल है। उज्बेकिस्तान ने बताया था कि मध्य और दक्षिण एशिया, यूरोप, मध्य-पूर्व और एशिया-प्रशांत क्षेत्र सहित दुनिया के कई हिस्सों के प्रतिनिधि अफगान मुद्दे का समाधान खोजने के लिए विचार-विमर्श में भाग लेंगे।

वहीं, भारत भी अफगानिस्तान की स्थिति पर कई प्रमुख शक्तियों के संपर्क में है। पिछले महीने, भारत ने अफगान राजधानी में अपने दूतावास में एक ÷तकनीकी टीम÷ को तैनात करके काबुल में अपनी राजनयिक उपस्थिति को फिर से स्थापित किया है। गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त में तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद भारत ने दूतावास से अपने अधिकारियों को वापस बुला लिया था।

इसके बाद हाल ही में दूतावास को फिर से खोलने के कुछ हफ्ते बाद जेपी सिंह के नेतृत्व में एक भारतीय टीम काबुल गई थी। टीम ने वहां मुत्ताकी और तालिबान के कुछ अन्य सदस्यों से मुलाकात भी की थी। जिसके बाद तालिबान ने भारतीय टीम को आश्वासन दिया था कि अगर भारत अपने अधिकारियों को काबुल में दूतावास भेजता है तो पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।

गौरतलब है कि भारत ने अफगानिस्तान में नए शासन को मान्यता नहीं दी है और काबुल में वास्तव में समावेशी सरकार के गठन के लिए जोर देकर कहा है कि किसी भी देश के खिलाफ किसी भी आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि पिछले कुछ महीनों में भारत ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता भी दी है।

संयुक्त राष्ट्र दफ्तर और अस्पताल में हमला,भारतीय सेना ने रोका लूट का प्रयास,यूएन कर्मियों को बचाया

किंशासा , 26 जुलाई 2022। भारतीय सेना ने सोमवार को कहा कि कांगो में उसके संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों ने असैन्य सशस्त्र समूहों द्वारा परिचालन ठिकानों, अस्पताल में लूटपाट के प्रयासों को विफल कर दिया गया है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि उसके शांति सैनिकों ने संयुक्त राषट्र के आदेश और नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र कर्मियों और उन स्थानों पर संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की, जहां उन्हें तैनात किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ अन्य कार्यालय परिसरों में तोड़फोड़ की गई है। स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांगो के गोमा में सोमवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के गोदाम पर हमला किया और कार्यालयों में लूटपाट की। इन प्रदर्शनकारियों ने शहर में सड़कों को अवरुद्ध किया और कार्यालयों में तोड़फोड़ की और कुछ सामग्री को नष्ट कर दिया और मिशन के परिसर के एक गेट पर आग लगाई। कांगो में मिशन के एक प्रवक्ता ने कहा, ÷हमारे एक गोदाम पर आज सुबह प्रदर्शनकारियों ने हमला किया। उन्होंने उपकरणों की लूट के लिए हमारे एक अड्डे में प्रवेश किया और कुछ कार्यालयों में प्रवेश करने में कामयाब रहे, हम स्पष्ट रूप से स्तब्ध हैं।÷

मिशन ने एक बयान में कहा कि व्यक्तियों और समूहों द्वारा संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ की गई शत्रुतापूर्ण टिप्पणियों और धमकियों के एक दिन बाद यह हमला किया गया है। मिशन के कार्यवाहक प्रमुख खासीम डायग्ने ने बयान में कहा, गोमा की घटनाएं न केवल अस्वीकार्य हैं बल्कि पूरी तरह से प्रतिकूल हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति सचिवालय में 107 दिनों बाद कामकाज शुरू,सिंगापुर में राजपक्षे के खिलाफ शिकायत

कोलंबो, 26 जुलाई 2022। श्रीलंकाई राष्ट्रपति सचिवालय में 107 दिनों के बाद सोमवार से कामकाज फिर शुरू हो गया। देश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के चलते राष्ट्रपति सचिवालय के प्रवेश द्वार को नौ अप्रैल को बंद कर दिया गया था। इसके बाद नौ जुलाई को प्रदर्शनकारियों ने सचिवालय में जबरन प्रवेश कर उस पर कब्जा कर लिया था।

संकटग्रस्त देश के नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के आदेश पर गत शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षाबलों ने छापेमारी की और प्रदर्शनकारियों को हटाकर इमारत को अपने कब्जे में ले लिया था। अब सोमवार को यह सचिवालय उसके कर्मचारियों के लिए खोल दिया गया है। सुरक्षाबलों ने सचिवालय के सामने गाले रोड को यातायात के लिए पहले ही खोल दिया था। विक्रमसिंघे ने कहा, वह शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को समर्थन देंगे, लेकिन उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी जो शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन की आड़ में हिंसा को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे।

राष्ट्रपति आवास से चुराया सामान बेच रहे तीन गिरफ्तार

श्रीलंका की पुलिस ने यहां राष्ट्रपति भवन से चोरी किए गए सोने की परत वाले पीतल के 40 सॉकेट बेचने की कोशिश कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह सामान प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रपति आवास में घुसने के दौरान चोरी किया गया। ये सॉकेट खिड़कियों पर पर्दे लटकाने के लिए दीवार पर लगाए गए थे।

सिंगापुर में राजपक्षे के खिलाफ युद्ध अपराध की शिकायत

दक्षिण अफ्रीका के एक अधिकार समूह ने सिंगापुर के अटार्नी जनरल को एक आपराधिक शिकायत सौंपी है। इसमें श्रीलंकाई पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे को कथित युद्ध अपराधों के लिए गिरफ्तार करने का अनुरोध किया गया है। इसमें तर्क दिया गया कि 2009 में गृहयुद्ध के दौरान, जब राजपक्षे रक्षामंत्री थे, उन्होंने जिनेवा सम्मेलनों का गंभीर उल्लंघन किया था।

कनाडाःलैंगली शहर में भारी गोलीबारी, कई लोगों के मारे जाने की खबर

कनाडा ,26 जुलाई 2022। कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में मास शूटिंग में कई लोगों के मारे जाने की खबर है। फायरिंग की घटना लैंगली शहर में हुई है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में कई लोगों के मारे जाने की खबर है। कनाडा की पुलिस ने कहा कि वैंकूवर के एक उपनगर में गोलीबारी की कई घटनाएं होने की सूचना मिली है और इस सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के लैंगली के व्यस्त इलाके में गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। पुलिस अधिकारी रेबेका पार्सलॉ ने कहा कि उन्हें हताहतों के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने इलाके में सुबह साढ़े छह बजे चेतावनी जारी कर लोगों को संबंधित क्षेत्र में जाने से बचने की सलाह दी है। पुलिस ने शहर के व्यस्त इलाके की तरफ जाने वाली सड़क का एक बड़ा हिस्सा बंद कर दिया है।

रूस-यूक्रेन जंग को छठा माह शुरू,यूक्रेनी हमले में रूसी गोला-बारूद के 50 डिपो नष्ट

कीव, 26 जुलाई 2022। रूस-यूक्रेन युद्ध के सोमवार को छठे माह में प्रवेश करने के बीच यूक्रेनी बलों ने कहा कि उसने रूसी सेना के 50 गोला-बारूद डिपो नष्ट कर दिए हैं। उसने कहा, यह कार्रवाई अमेरिका से मिले हिमारस रॉकेट प्रणाली का इस्तेमाल करते हुए की गई। अमेरिका ने जून माह में यूक्रेन को ये हथियार दिए थे। राष्ट्रीय टीवी पर यूक्रेन के रक्षामंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने कहा, अमेरिका से आए उच्च गतिशीलता वाले आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम एचआईएमएआरएस (हिमारस) ने बेहतर प्रदर्शन किया और रूस को बचाव का मौका नहीं दिया।

फिलहाल रूस ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रेजनिकोव ने कहा, यूक्रेनी तोपखाने ने कई पुलों पर सटीक हमले किए। स्थानीय कब्जे वाले अधिकारियों ने बताया कि पिछले सप्ताह हिमारस ने खेरसॉन क्षेत्र में नदी के पास कई हमले किए थे। इस बीच यूक्रेन ने एक वीडियो भी जारी किया जिसमें रूसी एंटी-एयर डिफेंस एस-300 की बैटरी नष्ट करने का दावा किया गया। वीडियो में कई जले हुए मलबे दिखाई दे रहे हैं। यूक्रेनी सेना की फेसबुक पोस्ट में दावा किया गया कि यह सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली की बैटरी थी।

सोवियत काल ही हैं एस-300 मिसाइलें

इस लंबे युद्ध में हालात यह हैं कि रूसी सेना अब अपनी सतह से हवा में मार करने वाली एस-300 मिसाइलों का इस्तेमाल यूक्रेन के जमीनी ठिकानों पर हमले के लिए कर रही है। सोवियत जमाने की एस-300 मिसाइलें सबसे पहले साल 1979 में तैनात की गई थीं। इन मिसाइलों को सोवियत वायु रक्षा बलों के लिए हवाई हमले से बचाव और क्रूज मिसाइलों से निपटने के लिए बनाया था। जबकि अमेरिकी मदद से यूक्रेन इन्हें नष्ट कर रहा है।

रूस के खिलाफ युद्ध अपराध के आरोप तेज

रूस द्वारा इस्तेमाल की गई एस-300 मिसाइलों को एक खास विस्फोटक से लैस किया गया था। ये मिसाइलें जिस जगह भी गिरीं उसके आसपास सब कुछ नष्ट हो गया। इन मिसाइलों के इस्तेमाल से अब रूस के खिलाफ युद्ध अपराध के आरोप तेज होते जा रहे हैं।

वाघा सीमा, हवाई अड्डे और करतारपुर सीमा पर पाकिस्तानी निगरानी, भारत से जाने वाले यात्रियों पर नजर

इस्लामाबाद, 26 जुलाई 2022। भारत में कोरोना संक्रमण वृद्धि के चलते पाकिस्तान में हवाई या भूमि मार्ग से पहुंचने वाले सभी प्रवेश मार्गों पर भारतीयों की निगरानी की जाएगी। इसमें करतारपुर गलियारा भी शामिल है। मीडिया में आई खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गई।

दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में एक दिन में संक्रमण के 16,866 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,39,05,621 हो गई। देश में 168 दिन बाद दैनिक संक्रमण दर सात प्रतिशत के पार पहुंच गई है। पाकिस्तानी स्वास्थ्य मंत्री कादिर पटेल के निर्देश पर स्वास्थ्य विज्ञान निदेशालय ने एक परिपत्र जारी किया है। अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने भारतीय यात्रियों की निगरानी के लिए प्रबंध कर लिए हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रवेश के सभी मार्गों पर भारतीय यात्रियों की निगरानी की जाएगी। इनमें हवाई अड्डे, वाघा-अटारी सीमा और अमन गलियारा करतारपुर गुरुद्वारा भी शामिल है।

पाकिस्तान में संक्रमण दर 2.69 फीसदी

पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, समूचे पाकिस्तान में संक्रमण दर बढ़कर 2.69 प्रतिशत हो गई है। देश में 24 घंटे में कोविड-19 से संबंधित जटिलताओं के कारण तीन लोगों की जान गई है। उसने बताया कि इस अवधि में 532 मामले मिले हैं।

कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा-प्रदेश सरकार सिर्फ विधायकों पर मेहरबान

» पांच दिवसीय कलम बंद हड़ताल पर कर्मचारी शासकीय दफ्तरों में काम काज हुआ प्रभावित

» छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर दो सूत्रीय मांगों को लेकर पांच दिवसीय हड़ताल सोमवार से शुरू हो गया। कर्मचारियों की हड़ताल से सभी विभागों में काम काज पूरी तरह से ठप हो गया है।

आंदोलन कर रहे कर्मचारियों ने कहा,यह तीसरे चरण का आंदोलन है। दो चरण के आंदोलन के बाद भी हमारी मांगों को प्रदेश सरकार ध्यान दी,तो पांच दिवसीय इस बार आंदोलन करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को महंगाई भत्ता नहीं मिल रहा और विधायकों को वेतन वृद्धि का लाभ दिया जा रहा है। सरकार की दोहरी नीति के विरोध में सड़क पर उतरे हैं।

-ओमकार पाण्डेय-
सूरजपुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

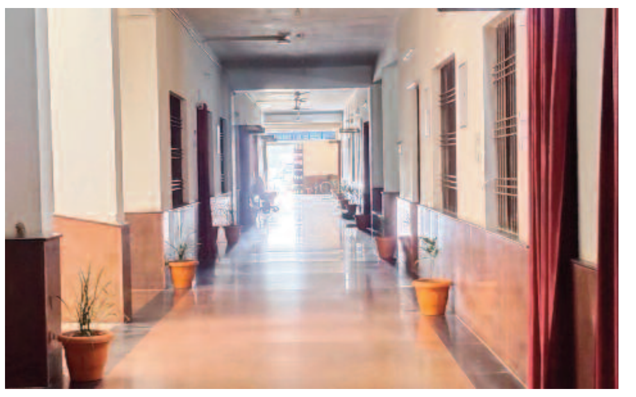

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर सोमवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू हुआ है मंगलवार को दूसरे दिन भी हजारों अधिकारी कर्मचारी अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर तीसरे चरण के आंदोलन जारी है । केन्द्र के समान महंगाई भत्ता, गृह भाड़ा भत्ता और अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर सोमवार से पांच दिवसीय हड़ताल पर चले गए। कर्मचारियों की हड़ताल से शासकीय दफ्तरों में सन्नाटा छा गया है। अधिकारी कर्मचारियों ने बताया कि केंद्र सरकार केंद्रीय कर्मचारियों को 34 प्रतिशत डीए दे रही है लेकिन प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों को सिर्फ 22 प्रतिशत डीए दिया जा रहा है, जो केंद्र से 12 प्रतिशत कम है। राज्य सरकार से मांग कर रहे कि उनको भी केंद्र के सामान महंगाई भत्ता दिया जाए, जिसके लिए वह कई बार शासन प्रशासन से भत्ता की मांग करते हुए चरणबद्ध प्रदर्शन कर चुके हैं। इससे पहले भी वे तीन चरणों में आंदोलन कर चुके हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों को लेकर विचार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई भत्ता उनका मौलिक अधिकार है। प्रदेश सरकार को केंद्र पड़ रहा है। सरकार को यह बात को लेकर कई बार शासन प्रशासन के सामान महंगाई भत्ता देना होगा। समझनी चाहिए कि जो कर्मचारियों को अवगत कराया गया जिसके बाद प्रदेश के कर्मचारियों के लिए यह का मौलिक अधिकार है उसे बिना भी उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंग शर्मनाक स्थिति है कि महंगाई भत्ता किसी विरोध या आंदोलन को पूरा रहा है। ऐसे में कर्मचारियों को जैसे विषय के लिए सड़क पर उतरना कर देना चाहिए लेकिन अपनी मांगों आंदोलन करना पड़ रहा है।

कर्मचारियों की ये प्रमुख मांग,बोले-मांग पूरी करने में हो रही अनदेखी

केन्द्र सरकार ने 1 जनवरी 2019 को 12 प्रतिशत महंगाई भत्ता में 5 प्रतिशत बढ़ाकर 1 जुलाई 2019 से 17 प्रतिशत लागू कर दिया. लेकिन राज्य सरकार ने 1 जुलाई 2021 से महंगाई भत्ता में 5 प्रतिशत की वृद्धि किया। उनकी मांग है कि 1 जुलाई 2019 से 30 जून 2021 तक प्रदेश के सभी कर्मचारियों के मासिक वेतन में 5 फीसदी की कटौती किया गया, जिससे उनको आर्थिक चपत लगी है। उनकी मांग है कि केन्द्र सरकार के देय तिथि से उनको महंगाई भत्ता दिया जाए और केन्द्र सरकार से 12 प्रतिशत जो कम दिया जा रहा है उसे बढ़ाकर 34 प्रतिशत किया जाए।

विधायकों का वेतन बढ़ा रही छग सरकार

कर्मचारियों ने कहा कि फेडरेशन लगातार महंगाई भत्ता, गृह भाड़ा भत्ता, वेतन विसंगति की मांग करती आ रही है जिस पर प्रदेश सरकार का जवाब दिया जा रहा कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। ऐसी हालत में उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जा सकता है। जब प्रदेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं तो विधायकों के वेतन वृद्धि का प्रस्ताव विधानसभा में ध्वनिमत से कैसे पारित हो रहा है, जबकि फेडरेशन अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है। फिर भी उनकी मांगों पर सदन में कोई चर्चा भी नहीं हो रही है, जिसका वे विरोध कर रहे हैं।

पदोन्नति वेतन विसंगति समस्या किया जाए दूर

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन अपनी कई मांगों को लेकर लगातार शासन प्रशासन के पास गुहार लगा रहे हैं लेकिन उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जा रहा है। संघ में कई ऐसे कर्मचारी हैं जो अनियमित हैं उनको नियमित करने, पदोन्नति की मांग और संगठन में कई ऐसे कर्मचारी हैं जिनको नियमित रूप से वेतन नहीं मिल रहा है। जिस कारण उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है। उनकी वेतन विसंगति को दूर करने की मांग करते आ रहे हैं। इसके साथ ही गृह भाड़ा भत्ता की मांग भी लगातार की जा रही है जिस पर भी विचार नहीं किया जा रहा है।

इन संघों का मिला समर्थन

हड़ताल में मुख्य रूप से प्रदेशराजपत्रित अधिकारी संघ, छग अजाक्स संघ, छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन, छग लघुवेतन चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ, छग वाहनचालक कर्मचारी संघ, छग स्वास्थ्य एवं बहुउद्देशीय कर्मचारी संघ, छग राजस्व पटवारी संघ, छग अनियमित कर्मचारी संघ, छग ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संघ, छग प्रदेश शिक्षक फेडरेशन, छग शिक्षक संघ, छग राज्य पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ संघ, कर्मचारी कल्याण संघ -छग प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ छग वन कर्मचारी संघ, छग लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ, छग डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोशियेशन, छग प्रदेश शिक्षक संघ, छग सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी संघ, छग राजस्व निरीक्षक संघ, छग सहायक शिक्षक फेडरेशन, छग आरएमए, लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ, महाविद्यालय प्राध्यापक संघ, छत्तीसगढ़ पेंशनर्स एसोसिएशन सर्व शिक्षक संघ, छग प्रदेश सचिव सं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

29 को जिला मुख्यालय में निकलेगी विशाल रैली

फेडरेशन ने बताया कि वे अपनी जायज मांगों को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करते आ रहे हैं। 30 मई को प्रथम चरण में जिला प्रशासन के सामने ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांग रखी था जिसके बाद भी उनकी मांगों पर विचार नहीं किया तो वे तीसरे चरण में 25 से 29 जुलाई तक पांच दिवसीय हड़ताल पर हैं। जिले के सभी विकासखंडों में यह आंदोलन किया जा रहा है। 29 जुलाई को हड़ताल के अंतिम दिन जिला मुख्यालय में विशाल रैली का आयोजन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बरबसपुर की करोड़ों की जमीन घोटाले में आर.आई और पटवारी निलंबित

-राजा मुखर्जी-
कोरबा , 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को विपक्ष ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से सरकारी जमीन पर भूमाफिया के कब्जे का मामला उठाया गय था। इस दौरान मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कोरबा के बरबसपुर में सरकारी जमीन को निजी में शामिल कर बेच दिए जाने के मामले में पटवारी कमलेश जायसवाल व राजस्व निरीक्षक खेलन सूर्यवंशी को निलंबित करने की घोषणा की। यह करीब 30 करोड़ की जमीन घोटाले का मामला बताया जा रहा। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक समेत भाजपा के विधायकों ने राज्य भर में सरकारी जमीन पर कब्जा का मामला उठाया थद्व। सदन में जो जमीन के मामले उठे, उनमें कोरबा जिले के बरबसपुर के पास केनाल से लगी खसरा नंबर 359-1 की ढाई एकड़ निजी जमीन का मामला भी शामिल थद्व। यह जमीन एक किसान की थी, उससे लगी उतनी ही सरकारी जमीन को भी राजस्व विभाग के अधिकारियों ने निजी बता दिया और इसकी रजिस्ट्री एक व्यापारी के नाम कर दी गई। बरबसपुर में रहने वाली कुछ महिलाओं के समूह ने सरकारी जमीन में कब्जा कर राख डंप करा देने की शिकायत राजस्व विभाग के अधिकारियों व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल से की थी। इसके बाद मंत्री अग्रवाल खुद मौका मुआयना कर अधिकारियों को सरकारी जमीन खाली कराने के निर्देश दिए थे। कब्जा करने वालों ने बाउंड्रीवाल का काम तो कुछ दिनों के लिए रोक दिया, पर जमीन खाली नहीं की गयी द्व मामला विधानसभा में उठने पर पटवारी व राजस्व निरीक्षक को राजस्व मंत्री ने निलंबित करने की घोषणा की , साथ ही एसडीएम व कोरबा तहसीलदार को नोटिस जारी कर जवाब तलब करने के भी निर्देश दिए गए। यहां बताना होगा कि बरबसपुर मसाहती (नक्शाविहीन) गांव है। यहां नए सिरे से नक्शा बनाने का सर्वे चल रहा। इस क्षेत्र में सरकारी जमीनों में कब्जा किए जाने की कई शिकायतें राजस्व विभाग में लंबित हैं। इस पर विपक्ष ने आरोप लगाया कि भूमाफिया के अतिक्रमण को तोड़ने की जगह मामला दर्ज करके उन्हें बचाया जा रहा है।मामले पर मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि, यहां यूपी की तरह बुलडोजर नहीं चलेगा। कब्जा करने वालों पर नियमों की तहत कार्रवाई की जाएगी। मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर 18 हजार 30 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से आठ हजार 199 मामले निराकृत हुए हैं और नौ हजार 831 मामलों की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि यूपी का बुलडोजर यहां नहीं चलेगा। वहां बुलडोजर चलने पर अपराधी यहां (छत्तीसगढ़) भागकर आ रहे हैं और अवैध काम कर रहे हैं, पर सरकार किसी भी प्रकार के बेजा कब्जा को बर्दाश्त नहीं करेगी।

हादसे की वजह बन रहे सड़कों पर बैठे मवेशी

रोका-छेका अभियान ठप,सड़कों पर मवेशियों ने जमाया डेरा

ओमकार पाण्डेय-
सूरजपुर, 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

मवेशी मालिको की स्वेच्छाचारिता व नगरीय प्रशासन की उदासीनता से एनएच इन दिनों मवेशियों का अड्डा बन कर रह गया है।एनएच पर मवेशियों के इस अड्डे से न केवल सरकार के रोका छेका अभियान की पोल खुल रही है बल्कि गोठांनो के औचित्य पर सवाल खड़े हो रहे है। एनएच मुख्य मार्ग पर मवेशी बैठने के स्थायी ठिकाना बन चुके हैं। पशुमालिकों द्वारा अपने मवेशियों को खुले में छोड़ दिए जाने के बाद नगर के मुख्य मार्ग पर मवेशियों का डेरा होने से एक ओर जहां सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, वहीं रात में चलने वाली हैवी वाहनों की चपेट में आकर मवेशियों की भी मौत हो रही है। मुख्य सड़क पर दर्जनों स्थानों पर मवेशियों के बैठे रहने से यातायात व्यवस्था चौपट हो रही है। जिससे मवेशियों के लिए जिले की सड़कें इन दिनों मौतगाह साबित हो रही हैं। कृषि कार्यों की वजह से बरसात होते ही खेतों में फसल का कार्य प्रारंभ हो जाता है, जिसकी वजह से नगर के इकलौता मुख्य मार्ग समेत जिले के अन्य मुख्य मार्ग भी मवेशियों का ठिकाना बन गए हैं। जिला न्यायालय से लेकर कलेक्टर कार्यालय रोड तथा नाय बस स्टैंड रोड पर व लगभग तीन से चार किमी के मुख्य मार्ग पर इन दिनों दर्जनों स्थानों पर मवेशी ही बैठे रहते हैं। कार्यालयीन तथा स्कूली समय यानी सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा संध्या 4 बजे से 5 बजे तक तो मुख्य मार्ग का बेहद बुरा हाल होता है। इस मार्ग से ही जिले के बड़े जिम्मेदार अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि भी गुजरते हैं तथा उन्हे भी सड़क पर बैठे मवेशियों की वजह से परेशान होना पड़ता है। बावजूद आज तक समस्या का हल नहीं निकाला गया है। वर्तमान वर्षा ऋतु में शाम को स्ट्रीट लाइट बंद होने, बिजली गुल होने पर कई दो पहिया चालक, साइकिल चालक मवेशियों से टकराकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं, देर रात नगर के मुख्य मार्ग से तेज रफ्तार से गुजरने वाले हैवी वाहनों की चपेट में आने से भी मवेशियों भी दुर्घटना के शिकार हो रहे है। नगरपालिका भी एकाद दिन अभियान चला कर कर्तव्यों की इतिश्री कर ली है।जिससे समस्या यथावत बनी हुई है।

पशुमालिकों पर हो कार्रवाई

नगर के बुद्धिजीवियों ने पशुस्वामियों के खिलाफ भी कार्रवाई किए जाने की मांग करते हुए बताया कि पशुस्वामी की क्रूरता की वजह से जानवरों को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। जिससे नगर की यातायात व्यवस्था चौपट हो रही है, वहीं वाहनों की चपेट में आने से पशुओं की भी बेमौत मृत्यु हो रही है। मुख्य मार्ग में पशुओं को छोड़ने वाले पशुस्वामी पर भी कार्रवाई आवश्यक है।

एक्टिवा हुई जलकर खाक

-नगर संवाददाता-
कोरबा , 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

कोरबा में सुबह सड़क पर एक एक्टिवा में अचानक आग लग गई। इससे पहले कि फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचती एक्टिवा जलकर खाक हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि एक्टिवा सेकेंड हैंड खरीदी गई थी और पहले ही दिन युवक अपने दोस्त के साथ घूमने के लिए निकला था। इस दौरान जैसे ही गाड़ी को स्टार्ट किया गया, उसमें आग पकड़ ली। मामला कोतवाली क्षेत्र का है। इससे पहले कि फायर ब्रिगेड पहुंचती एक्टिवा जलकर खाक हो गई। जानकारी के मुताबिक, सर्वमंगला रोड निवासी अनवर खान अपने दोस्त इमामुद्दीन के साथ सुबह एक्टिवा से चाय पीने के लिए पुराने बस स्टैंड पहुंचा था। चाय पीने के बाद इमामुद्दीन ने एक्टिवा को स्टार्ट करने के लिए किक मारी। किक मारते ही एक्टिवा में अचानक आग लग गई। इससे पहले कि वह समझ पाते आग भड़क उठी। दुकान के पास खड़े लोगों ने पानी डालकर बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें बढ़ती जा रही थीं। किक मारते ही एक्टिवा में आग लग गई। लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन उससे पहले ही एक्टिवा जलकर खाक हो गई। इमामुद्दीन ने बताया कि सोमवार को ही ट्रांसपोर्ट नगर स्थित ऑटो डील की दुकान से अनवर ने 40 हजार रुपए में एक्टिवा खरीदी थी। इसके बाद पहली बार ही ,इस पर घूमने निकले थे, लेकिन घटना घट गई। फिलहाल लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच इस संबंध में जानकारी जुटा रही है। एक्टिवा में आग लगने का कारण तकनीकी खराबी को बताया जा रहा है।

भटगांव पुलिस ने 2 चोरों को किया गिरफ्तार

सूरजपुर , 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। दिनांक 25 जुलाई को ग्राम अधिनापुर निवासी भैयालाल बखला ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दो माह पूर्व पंद्रहवां वित्त मद से पंचायत भवन के सामने रोड़ किनारे रौशनी हेतु 4 नग स्ट्रीट लाईट लगवाया था जिसे 23 जुलाई के रात्रि में अज्ञात चोर चोरी करे ले गए, मामले की सूचना पर थाना भटगांव में धारा 379 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के निर्देशन में एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना भटगांव की पुलिस आरोपी की पतासाजी में लगी थी इसी बीच सूत्र से जानकारी मिला कि सलका निवासी कुर्बान खान उर्फ पण्डा एवं वाहिद खान उर्फ लल्ला स्ट्रीट लाइट बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे है सूचना पर पुलिस ने त्वरित दबिश देकर दोनों को पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने स्ट्रीट लाईट चोरी करना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर 4 नग स्ट्रीट लाईट कीमत 32 हजार रूपये का बरामद कर दोनों को गिरफ्तार किया गया।

तार की चपेट में आने से युवक की मौत

-नगर संवाददाता-
कोरबा , 26 जुलाई 2022(घटती-घटना)। ज़िलें के पसान थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत सारिसमार में हाई टेंशन तार की चपेट आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा हैं कि यह पूरी घटना सारिसमार सेमरा के बीच जंगल का है । मृतक का नाम ज्ञान सिंह पिता प्रभु सिंह हैं जिसकी उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष है, जो कि बांघिनडाड़ का निवासी है जिसकी सुबह में 11 केव्ही लाईन चपेट आने मौत हो गई। जिसकी सुचना घर वाले ने पसान थाना दी गयी । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट में गयी।

सूचना के अधिकार के तहत निर्धारित तिथि पर जानकारी भी नहीं थी और शुल्क भी वसूला

» शिकायतकर्ता ने सूचना आयोग में किया था शिकायत सूचना आयोग ने कार्यवाही करते हुए शुल्क वापस कर आई व 500 रुपए अतिरिक्त देने का किया आदेश।

» सूचना के अधिकार पर 30 दिन बाद दी जानकारी शुल्क भी वसूला अब शुल्क वापसी के साथ देनी होगी क्षतिपूर्ति।

» निगम अधिकारी लगातार कर रहे आरटीआई आवेदनों में कोताही।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 26 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

आम जनता को मिलने वाले सूचना के अधिकार पर निगम के अधिकारी पानी फेरने में लगे हैं। समस्या निस्तारण तो दूर की बात है, यहां मांगी गई सूचना 30 दिनों बाद दी गई और इसके लिए जानकारी शुल्क 1434 रुपए वसूला गया इस तरह सूचना देने में ना सिर्फ कोताही बरती जा रही बल्कि सूचना ना देना पड़े इसके लिए भरसक कोशिश की जा रही है। ऐसे ही एक मामले में निगम के जन सूचना अधिकारी पर राज्य सूचना आयोग ने जुर्माना लगाया है।

बता दें कि मामला करीब 2 साल पुराना है जिसमें हल्दीबाड़ी निवासी आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा ने निगम कार्यालय में आवेदन कर निगम कार्यालय द्वारा जिला खनिज विभाग को भेजे गए निर्माण कार्यों के लिए रॉयल्टी के दस्तावेज तथा निगम कार्यालय को प्राप्त रॉयल्टी चुकता के दस्तावेज की मांग की थी। वही निगम के जन सूचना अधिकारी ने 717 पेज की जानकारी देने के लिए 1434 रुपए का भुगतान तो कराया निगम चिरमिरी के जन सूचना अधिकारी ने 30 दिनों के बाद एक पत्र भेजकर श्री मिश्रा से 1434 रुपए की मांग की गई आवेदक को जानकारी की आवश्यकता थी इसलिए उन्होंने गलत तरीके से मांगी गई शुल्क का भुगतान निगम कार्यालय को कर दिया उसके बाद आरटीआई विशेषज्ञ ने राज्य सूचना आयोग में शिकायत दर्ज करा दिया। राज्य सूचना आयोग ने इस शिकायत को शिकायत क्रमांक 477/2021 के रूप में दर्ज किया मामले में राज्य सूचना आयोग द्वारा सुनवाई दिनांक 8 जून 2022 को किया गया राज्य सूचना आयोग के सूचना आयुक्त ए के अग्रवाल ने निगम अधिकारी से 500 रुपए की क्षतिपूर्ति तथा जानकारी देने के लिए प्राप्त 1434 रुपए एक महीने के अंदर आवेदक को चेक के माध्यम से देने के आदेश दिया है।

गौरतलब है कि, जिले के कई विभागों में सूचना के अधिकार की अनदेखी की जा रही है ऐसे में विभाग में चल रहे कार्यों की पारदर्शिता लोगों के सामने आने के बजाय दफ्तर की अलमारी में रखी फाइलों तक ही सिमट कर रह जा रही है। जिले में अब तक कईयों ऐसे आवेदन आ चुके हैं जिनमें संतोषजनक जानकारी ना मिलने के कारण आवेदकों को राज्य सूचना आयोग में अपील और शिकायत करनी पड़ रही है। 30 दिन में मिलने वाली जानकारी के लिए यदि लोगों को 2 से 3 साल का इंतजार करना पड़े तो यह जिले के जिम्मेदार अधिकारियों की निष्ठापूर्ण कार्यशैली और आज के डिजिटल व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाती है।

आवेदक को मिली क्षतिपूर्ति

राजकुमार मिश्रा बताते हैं कि, मेरे द्वारा वर्ष 2020 के सितंबर महीने में आवेदन लगाकर निगम कार्यालय से जानकारी चाही गई थी पर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने 1434 रुपए का शुल्क भुगतान कराया गया जिसके बाद मैंने राज्य सूचना आयोग में शिकायत किया था जहां से मुझे आर्थिक एवं मानसिक रूप से हुए क्षति के लिए 500 रुपए की क्षतिपूर्ति एवं मेरे द्वारा निगम कार्यालय में किए गए 1434 रुपए भुगतान की अदायगी करने के आदेश निगम अफसर को जारी हुए हैं।

जिम्मेदार करेंगे सूचना के अधिकार का हनन तो लगेगा मोटा जुर्माना

पूरे प्रदेश तथा कोरिया जिले में कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जिसमें जन सूचना अधिकारी के द्वारा संतोषजनक जानकारी ना देने तथा अपील अधिकारी के द्वारा भी सुनवाई में ढिलाई बरतने के कारण आवेदकों को राज्य सूचना आयोग जाना पड़ा है। ऐसे में कई मामलों में राज्य सूचना आयोग ने जन सूचना अधिकारी पर अधिकतम 25 हजार रुपए तक का जुर्माना भी लगाया है। जानकार बताते हैं कि अभी कई मामले ऐसे हैं जिनमें जिले के जिम्मेदार अफसरों पर राज्य सूचना आयोग जुर्माना लगाएगा।

छात्राओं को सुरक्षा से जुडे महत्वपूर्ण टिप्स से कराया गया अवगत

सूरजपुर , 26 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। मंगलवार को थाना ओड़गी पुलिस ने कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल ओड़गी में अध्ययनरत स्कूली छात्राओं को गुड टच, बैड टच व होने वाले साइबर क्राइमों से सुरक्षित रहने के तरीकों की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देश पर एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी ने छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण टिप्स से अवगत कराया। शासन की ओर मिलने वाले स्कालरशीप का लाभ लेने, महिला सुरक्षा से जुड़ी अभिव्यक्ति ऐप के बारे में बताया ।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-27/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मकलू आ0 स्व0 सोमार साय व अन्य,जाति बरगाह, निवासी ग्राम असोला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम असोला स्थित भूमि खसरा नंबर 8, 390/1, 878, 887 कुल रकबा 0.510 हे0 भूमि का अनावेदक सहदेव आ0स्व0 पटवारी व अन्य निवासी ग्राम असोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता बंटवारा कराने बाबत आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/08/2022 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 05/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील नायब तहसीलदार अम्बिकापुर

11 दिन,72 देश,19 खेल और भारतीय खिलाड़ी,मेडल जीतने की है पूरी तैयारी

बर्मिंघम,26 जुलाई 2022 । राष्ट्रमंडल खेलों के 22 वां संस्करण का आगाज 28 जुलाई को बर्मिंघम में हो रहा है। 72 राष्ट्रमंडल देशों के खेलों में भाग लेने की उम्मीद है और लगभग 5,054 20 खेलों में 280 आयोजनों में भाग लेंगे। भारत प्रतिस्पर्धा में 112 पुरुषों और 105 महिलाओं का एक मजबूत दल भेज रहा है जो 16 खेलों में भाग लेंगे। हालांकि कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत से पहले ही भारत को एक बड़ा झटका लगा है। भारत को भाला फेंक (जेवलिन थ्रो) से भी एक पदक की उम्मीद थी लेकिन नीरज चोपड़ा प्रतिस्पर्धा से बाहर हो गए हैं। भारतीय ओलंपिक संघ ध्वजवाहक तय करने के अंतिम चरण में था, जिसमें चोपड़ा के साथ दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और शटलर पीवी सिंधु थीं। लेकिन चोपड़ा के खेलों से बाहर हो जाने के बाद, सिंधु को इस सम्मान से नवाजा जाना चाहिए। वैसे को कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय खेमे में स्टार खिलाड़ियों की लंबी फेहरिस्त है। लेकिन इनमें कुछ नाम ऐसे भी हैं जिनका गोल्ड जीतना पक्का माना जा रहा है। ऐसे में आज आपको उन चेहरों के बारे में बताते हैं जिनसे भारत पदक की आस लगाए बैठा है।

भारतीय लंबी कूद एथलिट मुरली श्रीशंकर

विश्व चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले भारत के पहले पुरुष बने। श्रीशंकर के नाम राष्ट्रीय रिकॉर्ड है और उनकी 8.36 मीटर की छलांग जो उन्होंने अप्रैल में नेशनल फेडरेशन कप में हासिल की थी। ये इस साल दर्ज की गई दूसरी सर्वश्रेष्ठ लंबी छलांग है। 23 साल के श्रीशंकर ने इस साल ग्रीस में एक इवेंट में 8.31 मीटर की एक और बड़ी छलांग लगाई थी। 16 मार्च 2021 को श्रीशंकर ने 8.26 मीटर के रिकॉर्ड के साथ टोक्यो ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया था। मुरली श्रीशंकर से उनके पहले राष्ट्रमंडल खेलों में पदक की उम्मीद है। बता दें कि श्रीशंकर का नाम साल 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में था, लेकिन स्टोर की शिकायत की वजह से उन्हें प्रतिस्पर्धा से अपना नाम वापस लेना पड़ा था।

भारोत्तोलक मीराबाई चानू जिनसे बर्मिंघम के कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक की उम्मीदें सबसे ज्यादा हैं। चानू डिफेंडिंग चैंपियन भी हैं और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज भी हैं। चानू इससे पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में दो पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने साल 2014 के ग्लास्गो गेम्स में रजत और चार साल बाद 2018 गोल्ड कोस्ट में स्वर्ण पदक जीता था। चीन और उत्तर कोरिया की अनुपस्थिति में सीडब्ल्यूजी में चानू को भारोत्तोलन में पारंपरिक पावरहाउस के अपने खिताब डिफेंड करने में ज्यादा समस्या नहीं होनी चाहिए। 2018 में मीराबाई चानू ने 48 भारवर्ग में कुल 196 किलो वजन उठाकर रिकॉर्ड कायम किया था।

जेरेमी लालरिनुंगा-पुरुष भारोत्तोलन 62 किग्रा वर्ग,विश्व रैंकिंग: 20

पिछले साल तोक्यो ओलंपिक का टिकट कटाने में विफल रहे भारोतोलक जेरेमी लालरिननुंगा को यह पता चल गया है कि जूनियर से सीनियर स्तर पर पहुंचना इतना आसान नहीं है लेकिन वह आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतकर इस निराशा को कुछ हद तक दूर करना चाहते हैं। पिछले साल दो बार चोटिल होने के अलावा वह कोरोना वायरस से संक्रमित भी हो गये थे, जिसका असर 67 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाले इस खिलाड़ी के प्रदर्शन पर पड़ा। और बर्मिंघम में मल्टी-स्पोर्ट इवेंट के साथ शुरू होने वाले वरिष्ठ स्तर पर सफल होने के लिए तैयार है। जेरेमी 2018 में उस समय सुर्खियों में आये थे जब उन्होंने अर्जेंटीना में यूथ ओलिंपिक्स में स्वर्ण पदक जीता था। ऐसा करने वाले देश के पहले एथलीट बने थे। मिजोरम का यह खिलाड़ी युवा वर्ग की सफलता को हालांकि सीनियर स्तर पर नहीं दोहरा सका। पिछले साल के अंत में उन्होंने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था।

पीवी सिंधु-बैडमिंटन, महिला एकल और मिश्रित टीम स्पर्धा, विश्व रैंकिंग:7 (महिला एकल)

टार शटलर पीवी सिंधु तीसरी दफा कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा ले रही हैं। सिंधु अब तक इन खेलों में महिला एकल इवेंट में एक-एक सिल्वर और ब्रांज मेडल जीत चुकी हैं। चार साल पहले पीवी सिंधु को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा क्योंकि उनकी देश की साइना नेहवाल ने स्वर्ण पदक जीता था। जिसके बाद से सिंधु ने विश्व चैंपियनशिप का खिताब और दूसरा ओलंपिक पदक अपनी झोली में डाला है। सिंधु ने इस साल तीन खिताब जीते हैं और राष्ट्रमंडल खेलों से ठीक पहले सिंगापुर ओपन में जीत से उनका मनोबल काफी ऊंचा होगा। चीन और जापान के खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में भाग नहीं लेते हैं ऐसे में दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु के लिए राह काफी आसान है।

लक्ष्य सेन-बैडमिंटन,पुरुष एकल और मिश्रित टीम स्पर्धा, विश्व रैंकिंग:9 (पुरुष एकल)

भारतीय बैडमिंटन के युवा सितारे लक्ष्य सेन बर्मिंघम में उस लक्ष्य को हासिल करने के लिये प्रतिबद्ध हैं जिससे चार महीने पहले वह चूक गये थे। सेन चार महीने पहले ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे लेकिन स्वर्ण पदक से वंचित रह गए थे। वह पिछले 21 वर्षों में इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। अल्मोड़ा के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को अब 28 जुलाई से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में बर्मिंघम एरेना में अपनी चमक बिखेरने का एक और मौका मिलेगा और वह इसके लिये पूरी तरह से तैयार हैं। पिछले साल सेन ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। सिर्फ 20 साल की उम्र में, सेन राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराएंगे और उनके पोडियम पर पहुंचने की उम्मीद है।

रवि कुमार दहिया-फ्रीस्टाइल कुश्ती, 57 किग्रा,विश्व रैंकिंग: 2

पुरुषों के वर्ग में टोक्यो खेलों में 23 साल की उम्र में रजत पदक जीतने वाले रवि दाहिया (57 किग्रा) भारत की सबसे बड़ी पदक संभावनाओं में से एक हैं। रवि के लय को देखते हुए कहा जा रहा है कि वो निश्चित ही स्वर्ण पदक अपनी झोली में करेंगे। दाहिया लगातार तीन एशियाई चैंपियनशिप जीत चुके हैं। दहिया जूनियर स्तर पर भी अपनी फ्रीस्टाइल कुश्ती का लोहा मनवा चुके हैं। उन्होंने 2018 में विश्व अंडर 23 कुश्ती चैंपियनशिप जीती थी। इसलिए भी भारत को इस पहलवान से काफी उम्मीदें हैं।

बजरंग पुनिया-फ्रीस्टाइल कुश्ती, 66 किग्रा, विश्व रैंकिंग: 5

आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने के प्रबल दावेदारों में एक नाम बजरंग पुनिया का भी शुमार है, भारतीय कुश्ती में में जिनका नाम पहले ही काफी इज्जत से लिया जाता है। बजरंग पुनिया किसी भी भार वर्ग में दुनिया में नंबर 1 स्थान पाने वाले पहले भारतीय पहलवान हैं। उनकी उपलब्धियों में से एक ये भी है कि बड़े पदक तालिका में दो विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी हैं। 65 किलो भार वर्ग में पुनिया कॉमनवेल्थ गेम्स के गत विजेता हैं और इस बार अपना गोल्ड बचाने के इरादे से खेलेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों में उनके कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह अभी तक दो राष्ट्रमंडल खेलों जिसमें उन्होंने भाग लिया है, इसमें दूसरे स्थान से नीचे नहीं रहे हैं।

साक्षी मलिक-फ्रीस्टाइल कुश्ती,62 किग्रा,विश्व रैंकिंग: 16

रियो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी के लिये भी राष्ट्रमंडल खेल अहम होंगे जिसे अपना आत्मविश्वास पाने के लिये मनोवैज्ञानिक की मदद लेनी पड़ी। आखिरकार राष्ट्रमंडल खेल ट्रायल में उसने सोनम मलिक को हराया जबकि इससे पहले उससे लगातार चार मुकाबले हार चुकी थी। भारत ने 2016 रियो ओलंपिक में केवल दो पदक जीते थे और उनमें से एक साक्षी मलिक ने हासिल किया था। जब मलिक ने रियो खेलों में कांस्य पदक जीता तो वह ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं। मलिक ने राष्ट्रमंडल खेलों के पिछले दो संस्करणों से दो पदक के साथ वापसी की है और उनके इस बार तीसरा राष्ट्रमंडल पदक इस लिस्ट में जोड़ने की उम्मीद है।

लवलीना बोर्गोहैन-बॉक्सिंग,70 किग्रा,विश्व रैंकिंग:3

बॉक्सर विजेंदर सिंह और एमसी मैरी कॉम के क्लब में अपने नाम को शुमार करवाना कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। लेकिन लवलीना बोर्गोहेन ने टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीतकर ये उपलब्धि हासिल की। टोक्यो में पदक जीतकर, बोर्गोहेन भी विजेंद्र सिंह और मैरी कॉम के बाद मुक्केबाजी में पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गईं। हालांकि यह वर्ष उनके लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा। असम की इस मुक्केबाज ने पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और तभी से उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इस 24 वर्षीय मुक्केबाज ने स्वीकार किया तोक्यो ओलंपिक के बाद के तमाम कार्यक्रमों में भागलेने से उनका ध्यान भंग हुआ और इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा। विश्व चैंपियनशिप में दो बार की कांस्य पदक विजेता लवलीना इस बार शुरुआत में ही बाहर हो गई थी। ऐसे में वह राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतकर इस निराशा को दूर करने की कोशिश करेंगी।

निखत ज़रीन-बॉक्सिंग, महिलाओं का 50 किग्रा

एक अन्य भारतीय महिला मुक्केबाज जिन्होंने जून 2022 में महिला विश्व बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर तहलका मचा दिया। जरीन महिला विश्व बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पांचवीं भारतीय महिला बॉक्सर हैं। निकहत ने हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खिताब जीता और इसके बाद प्रतिष्ठित स्ट्रेंडजा मेमोरियल टूर्नामेंट और फिर विश्व चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक हासिल किये। निकहत 52 किग्रा में खेलती हैं लेकिन राष्ट्रमंडल खेलों में उन्हें 50 किग्रा में भाग लेना होगा। उन्हें और उनके प्रशिक्षकों को यह देखना होगा कि वह इस नए भार वर्ग में कैसे सामंजस्य बिठाती है।

नीरज चोपड़ा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण राष्ट्रमंडल खेलों से हटे

बर्मिंघम,26 जुलाई 2022 । भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फिटनेस संबंधी दिक्कतों के कारण राष्ट्रमंडल खेलों से हट गए हैं। भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

चोपड़ा ने रविवार को यूजीन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक रजत पदक जीता था लेकिन इस प्रतियोगिता के दौरान उनके पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

आईओए महासचिव राजीव मेहता ने कहा कि मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा को एक महीने के विश्राम की सलाह दी गई है।

उन्होंने कहा, भारतीय टीम के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की आज सुबह अमेरिका से फोन पर मुझसे बात हुई और उन्होंने फिटनेस चिंताओं के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने में असमर्थता जताई।

मेहता ने कहा, यूजीन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने के बाद चोपड़ा ने सोमवार को एमआरआई कराया था और उनकी चिकित्सा टीम ने उन्हें एक महीने विश्राम करने की सलाह दी है।

यह 24 वर्षीय खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाला दूसरा भारतीय एथलीट बना था। उनसे पहले अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2003 विश्व चैंपियनशिप में लंबी कूद में कांस्य पदक जीता था

चोपड़ा के गुरुवार से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का ध्वजवाहक बनने की संभावना थी। भारतीय दल के दल प्रमुख राजेश भंडारी ने कहा, हमारी अब बैठक होगी जिसमें नए ध्वजवाहक का चयन किया जाएगा।

मोहम्मद अली की बेल्ट 61.8 लाख डॉलर में बिकी

डलास, ,26 जुलाई 2022 । मोहम्मद अली द्वारा 1974 में 'हैवीवेट' मुकाबले 'रंबल इन जंगल' में जीती गई बेल्ट एक नीलामी में 61.8 लाख डॉलर की बिकी। डलास के 'हेरिटेज ऑक्शन' के अनुसार, नीलामी में कड़े मुकाबले के बाद 'इंडियानापोलिस कोल्ट्स' (पेशेवर फुटबॉल टीम) के मालिक जिम इरसे के हाथ यह बेल्ट लगी।

इरसे ने बेल्ट खरीदने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने रॉक म्यूजिक, अमेरिकी इतिहास और पॉप कल्चर से जुड़ी चीजों के संग्रह के लिए यह बेल्ट खरीदी है।

मॉन्स्टर ऑफ तेलुगु पॉलिटिकल थ्रिलर सासना सभा रिलीज

निर्देशक वेणु मंडिकांती की राजनीतिक थ्रिलर, सासना सभा की इकाई ने फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में अभिनेता राजेंद्र प्रसाद, इंद्र सेना, ऐश्वर्या राज भाकुनी और सोनिया अग्रवाल मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेत्री सोनिया अग्रवाल ने ट्विटर पर मोशन पोस्टर का लिंक ट्वीट करते हुए कहा, विधानसभा शुरू हो रही है।

यह फिल्म एक अखिल भारतीय राजनीतिक मनोरंजन का निर्माण तुलसी राम सप्पनी और शनमुगम सप्पनी द्वारा किया गया है, जिन्हें प्रोडक्शन हाउस, सैपब्रो प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के लिए सप्पनी ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है। यूनिट का दावा है कि, फिल्म का विषय आज के समाज के लिए उपयुक्त होगा। यह फिल्म एक साथ तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में बनेगी और इसमें केजीएफ सीरीज के रवि बसरूर और सालार फेम का म्यूजिकल स्कोर होगा। ऐश्वर्या राज भाकुनी ने सासना सभा की मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता राजेंद्र प्रसाद, सोनिया अग्रवाल और पृथ्वी राज अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे।

कभी ईद कभी दीवाली के बाद शहनाज गिल के हाथ लगी एक और फिल्म

शहनाज गिल की झोली में एक और फिल्म आ गई है। उन्होंने प्रोड्यूसर रिया कपूर की फिल्म साइन कर ली है। खास बात ये है कि इस फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने वाली है और इसे लेकर शहनाज काफी खुश भी हैं और उत्साहित भी। इस फिल्म में अनिल कपूर और भूमि पेडनेकर भी होंगे। फिल्म की कहानी और कलाकार की भूमिकाएं क्या होंगी ये जानकारी भी फिलहाल नहीं मिली है लेकिन मीडिया पैपराजी से मुलाकात के दौरान शहनाज अपनी खुशी नहीं छिपा

पाई। फिल्म का टाइटल क्या है फिलहाल ये सामने नहीं आया है। कहा जा रहा है कि ये फिल्म इंडिया से बाहर शूट होगी जिसके लिए जल्द ही कास्ट और क्रू रवाना होने वाली है।

बता दे, इससे पहले शहनाज सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दीवाली का हिस्सा बनकर भी काफी खुश है। इसकी शूटिंग भी शहनाज ने कर ली है। हालांकि इस फिल्म को लेकर तरह-तरह की खबरें आती रहीं लेकिन अब कहा जा रहा है कि उन्हें दूर कर लिया गया है। बता दे, शहनाज गिल बिग बॉस 13 में नजर आई थी। इस रियलिटी शो में पहुंच कर शहनाज ने दर्शकों के दिलों पर एक अलग ही छाप छोड़ दी। लोगों ने उन्हें खूब पसंद किया। खासतौर से सिद्धार्थ शुक्ला संग उनकी जोड़ी को। हालांकि बीते साल सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद शहनाज काफी टूट गई थीं लेकिन कुछ ही महीनों बाद वो वापस लौटीं और इस वक्त शहनाज पूरी तरह से अपने करियर पर फोकस किए हुए हैं।

इरा मोर रणदीप हुड्डा-स्टारर इंस्पेक्टर अविनाश से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी

तेलुगु और कन्नड़ फिल्म उद्योगों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के बाद, अभिनेत्री इरा मोर अब निर्देशक नीरज पाठक की आगामी हिंदी वेब सीरीज के साथ बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। इंस्पेक्टर अविनाश में अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं।

मोर ने तेलुगु/कन्नड़ उद्योगों में द्विभाषी रोमांटिक एक्शन एंटरटेनर भैरव गीता से अपनी शुरूआत की। उनके प्रदर्शन ने फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने उन्हें 2021 में बहुभाषी अपराध नाटक डी कंपनी और राजनीतिक थ्रिलर कोंडा सहित अपनी कुछ फिल्मों में कास्ट किया, जिसमें उन्होंने राजनेता कोंडा सुरेखा की भूमिका निभाई।

अब, मोर आगामी हिंदी वेब सीरीज, इंस्पेक्टर अविनाश में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगी। सीरीज 1990 के दशक में उत्तर प्रदेश के एक सुपर पुलिस वाले के जीवन और समय पर आधारित है।

इंस्पेक्टर अविनाश के अलावा, जो वेब सीरीज में अपनी शुरूआत करेंगी, युवा अभिनेता संदीप शर्मा द्वारा निर्देशित बदला और प्रतिशोध के विषयों पर आधारित कस्बा सिंघई खीरी नामक एक अन्य वेब सीरीज में भी मुख्य भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगी।

द ब्लैक होल स्टूडियोज द्वारा निर्मित इस शो में मोर एक केंद्रीय किरदार निभाएंगी।

अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के बारे में अपने उत्साह को साझा करते हुए, मोर कहती हैं, दक्षिण फिल्म उद्योगों ने मुझे तीन साल में बहुत प्यार दिया है और कई दिलचस्प परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। और अब जब मैं हिंदी में अपनी यात्रा शुरू कर रही हूं। वेब स्पेस, मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझ पर अपना आशीर्वाद बरसाते रहेंगे।

शर्ट के बटन खोल सोफे पर लेट गईं नेहा मलिक,कैमरे में कैद हुआ बोल्ड लुक

भोजपुरी की जानी मानी एक्ट्रेस नेहा मलिक आज देखते ही देखते ही सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं. वह अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनका इंस्टाग्राम अकाउंट नेहा के बोल्ड और हॉट फोटोशूट्स से भरा हुआ है. अब नेहा ने फिर से अपने बोल्ड लुक्स से लोगों के होश उड़ा दिए हैं. एक्ट्रेस ने फैंस के दिलों की धड़कन को बढ़ाते हुए फिर से अपना बोल्ड लुक शेयर किया है. इनमें उन्हें ब्लैक ब्रालेट और मिनी स्कर्ट पहने देखा जा सकता है. इसके साथ उन्होंने ओपन शर्ट पेयर की है.

नेहा मलिक का परिचय देने की जरूरत नहीं रह गई हैं. बेशक नेहा अपने अभिनय से इंडस्ट्री में कोई खास मुकाम हासिल न कर पाई हो, लेकिन उनकी अदाओं ने हमेशा ही लोगों का ध्यान उनकी ओर खींचा है. ऐसे में नेहा लोगों के बीच अलग पहचान रखती हैं. लोग उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं. नेहा ने पिछले कई दिनों से अपने फोटोशूट्स से इंटरनेट पर तहलका मचाया हुआ है. चाहे वह ट्रेडिशनल हो या वेस्टर्न नेहा हर लुक में खूबसूरत लगती हैं.

लेटेस्ट फोटोशूट में नेहा ने एक बार फिर से बोल्डनेस की हदें पार कर दी हैं. तस्वीरों में नेहा शर्ट के बटन खोल अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं.

इस लुक को नेहा ने लाइट मेकअप के साथ रेड लिपस्टिक के साथ कंप्लीट किया है. इसके साथ नेहा ने बालों को कर्ल कर खुला छोड़ा हुआ है. यहां वह सोफे पर लेट अलग-अलग पोज दे रही हैं. इन तस्वीरों में इतनी बोल्ड लग रही हैं कि उन पर से लोगों के लिए नजरें हटाना मुश्किल हो गया है.

नेहा मलिक की अदाओं से नहीं हटेंगी नजरें

इस लुक में नेहा काफी हॉट लग रही हैं. यहां उनकी अदाएं किसी को भी मदहोश करने के लिए काफी हैं. अब नेहा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. कुछ ही देर में नेहा के लुक को लाखों लाइक्स मिल चुके हैं. वहीं, फैंस उन्हें हॉट और बोल्ड बताते हुए लगातार कमेंट कर रहे हैं.

सदन में गूँजा शिक्षक भर्ती प्रक्रिया का मुद्दा,वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण ने उठाया राजस्व अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण का मुद्दा

रायपुर, 26 जुलाई 2022। आज विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवे दिन की शुरुआत में स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम और राज्यस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विधायकों के सवालों का सामना किया। जहाँ भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने शिक्षक भर्ती का को लेकर मंत्री टेकाम से सवाल किये तो वहीं रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा ने राजस्व अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण और नामांतरण की ऑनलाइन कार्यवाही को लेकर राजस्व मंत्री से सवाल पूछा।

दरअसल वर्ष 2014-15 में पटवारी और रेवेन्यू इंस्पेक्टरों को जो कंप्यूटर दिए गए थे उन्हें बाद में वापस ले लिया गया था। जिसपर कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा ने राजस्व मंत्री से पूछा कि राजस्व का सबसे अहम कामकाज पटवारी और आरआई करते हैं, ऐसे में उन्हें कब कम्प्यूटर दिया जाएगा। जिसपर राजस्व मंत्री ने कंप्यूटर जल्दी ही दिलाये जाने की बात कहते हुए सदन में ये जानकारी साझा की।

वर्ष 2014-15 में भू-अभिलेख कंप्यूटरीकरण- 188 नग

वर्ष 2017-18 में भू-अभिलेख कंप्यूटरीकरण- 450 नग

वर्ष 2017-18 में ई-कोर्ट के अंतर्गत- 1002 नग

वर्ष 2020-21 में भुइयां एवं भू-नक्शा संचालन के लिए- 316 नग

कुल 1956 कंप्यूटर की खरीदी की गई।

पिछले पांच महीने में 8 लोगों का हुआ है सत्यापन

वहीं सदन में भाजपा के विधायक अजय चंद्राकर ने एक बार फिर 14 हज़ार 580 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया का मामला सदन में उठाया। उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री से पूछा कि 30 जून 2022 की स्थिति में किन-किन संवर्गों की कितनी-कितनी पदों पर प्रक्रिया पूरी हो गई है? सत्यापन काम पूरा हुआ या नहीं? एक पद के सत्यापन के लिए कितनी अवधि लगती है, सत्यापन में हो रही देरी की वजह क्या है ?

सवालों के जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री टेकाम ने कहा कि व्याख्याता का सत्यापन राज्य स्तर पर, शिक्षक का सत्यापन संभाग स्तर पर और सहायक शिक्षकों का सत्यापन ज़िला स्तर पर किया जाता है। ये सत्यापन मेरिट क्रम में किया जाता है।

जवाब सुनकर अजय चंद्राकर ने कहा कि मैं मंत्री के जवाब से बेहद दुखी हूं, रोना आता है। छत्तीसगढ़ को मज़ाक़ बनाकर रख दिया है। छत्तीसगढ़ के बेरोज़गार युवाओं से जुड़ा मामला है। इस सरकार को छत्तीसगढ़ के भविष्य के बारे में बात करने का अधिकार नहीं है। चंद्राकर ने कहा कि इस विषय पर चौथी बार सवाल पूछ रहा हूं। बार-बार सवाल पूछने के बाद अब तक कुल 10 हज़ार 441 पदों की ही भर्ती हो पाई है। पिछ्ले पांच महीने में सिर्फ़ 8 लोगों का सत्यापन हुआ है।

जिसपर स्पीकर चरणदास महंत ने मंत्री टेकाम को निर्देश देते हुए कहा कि अपने विभाग से कहिए कि भर्ती प्रक्रिया के लिए एक निश्चित समय सीमा तय कर लें।

भाजपा ने विधानसभा घेराव में लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया सदन में,विधायक की गिरफ़्तारी को बताया असंवैधानिक

भाजपा ने विधानसभा घेराव में लाठीचार्ज

रायपुर। भाजपा विधायक बृज मोहन अग्रवाल और अजय चंद्राकर ने विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की है। बृजमोहन अग्रवाल ने आरोप लगाया कि उन्हें गिरफ्तार किया गया। उनके सदन आने-जाने के रास्ते को रोका गया और इससे विधानसभा आने-जाने में विधायकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बृज मोहन ने कहा मुझे हाथ पकड़ कर रोका गया है और विधायक होने के नाते उनके साथ हुआ आचरण संवैधानिक परंपरा नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चल रही है और विधायक को गिरफ्तार किया जाए, ये ठीक नहीं है। इस बात को पुरजोर तरीके से रखते हुए अजय चंद्राकर ने सदन में हंगामा किया जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित की गई।

माननीयों के वेतन भत्ते में वृद्धि का प्रस्ताव सदन में पास

विधानसभा में जनप्रतिनिधियों के वेतन भत्ते में वृद्धि का प्रस्ताव पास हो गया। पक्ष विपक्ष की सहमति से वेतन भत्ते से संबंधित चार संशोधन विधेयक पास हो गए। अब विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्यमंत्री, नेताप्रतिपक्ष समेत सभी विधायकों को बढ़ा वेतन मिलेगा।

इतना मिलेगा अब सभी माननीयों को वेतन —

वेतन वृद्धि

मुख्यमंत्री 135000 -से बढ़ कर 205000

मंत्री 130000 से बढ़कर 190000

संसदीय सचिव :- 121000 से बढ़कर 175000

विधानसभा अध्यक्ष:- 132000 से बढ़कर 195000

विधानसभा उपाध्यक्ष :- 128000 से बढ़कर 180000

नेता प्रतिपक्ष :- 130000 से बढ़ कर 190000

विधायक :- 95000 से बढा 160000 तक हो जाएगा

तीन साल देर से ही सहीं पर दुरुस्त हुए,अब भी दर्जनभर अफसर हैं बाकी

रायपुर। आखिरकार टीआरपी न्यूज़ के खुलासे के बाद कृषि विभाग और शासन के ख़ज़ाने को लम्बे समय से चूना लगा रहे अफसरों पर कार्रवाई तेज़ हो गई है। देर से ही सहीं पर कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने सदन में ऐसे 25 कृषि अधिकारीयों पर कार्रवाई किये जाने का खुलासा किया है। बताया है कि कृषि विभाग में भ्रष्टाचार, और अन्य प्रकरणों में अब तक 25 अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इन अफसरों की वेतन वृद्धि रोकी गई है। यह जानकारी कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने एक सवाल के जवाब में दी है। बता दें की तीन साल पहले सी-वुड-जेल के नाम से कृषि विभाग में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारीयों और उनके मातहतों के सम्बन्ध में नामजद जानकारी का राजफाश टीआरपी न्यूज़ के प्रबंध संपादक उचित शर्मा ने किया था। वैसे तो विभाग के घोटालेबाज़ अधिकारीयों की फेहरिस्त 25 नहीं बलकि 34 हैं अगर इन 34 के मातहत को मिलाया जाये तो तक़रीबन 60 अफसर-कर्मियों पर कार्रवाई होनी तय है।

जानकारी के मुताबिक सदन में उठे इन भ्रष्ट कृषि अधिकारीयों के पद और कारगुज़ारियों की जानकारी विपक्षी सदस्य ने सदन में पूछा है। कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने जवाब में बताया है कि कृषि विभाग के कार्यपालन यंत्री, और अन्य उच्च पदों के अफसरों के खिलाफ ईओडब्ल्यू, एसीबी और अन्य मामलों की जांच चल रही है। में कब से जांच चल रही है। कृषि विभाग के चार अफसरों के खिलाफ ईओडब्ल्यू, दस पर लोक आयोग, और 12 के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है। टीआरपी की जानकारी के मुताबिक तीन साल पहले सभी भ्रष्ट अधिकारियों की शिकायत की गई थी, शिकायत पर संयुक्त संचालक विनोद कुमार वर्मा निलंबित हुए थे। साथ ही तत्कालीन संचालक एम एस केरकेटटा को भी नोटिस दिया गया था। उचित शर्मा का कहना है कि अगर जांच इमानदारी से होती है तो 34 अधिकारी ही नहीं उनसे जुड़े 60 से ज्यादा अधिकारी दोषी पाये जाएंगे।जांच के घेरे में 34 कृषि अधिकारी हैं, इनमें उपसंचालक कृषि से लेकर संयुक्त संचालक स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

» **भ्रष्ट 25 पर कार्रवाई, फहरिस्त में हैं 34 और इनके साथी लगा रहे चूना**

» **विभाग पुरे प्रदेश के डीडीए लगाए हैं 18 करोड़ से ज़्यादा का पलीता**

तय वक्त पर जांच और कार्रवाई नहीं

बताते हैं कि करप्शन के आरोपी दो अफसर रिटायर हो चुके हैं। जबकि कृषि मंत्री के मुताबिक सामान्य प्रशासन विभाग का निर्देश हैं कि एक वर्ष की समय सीमा के भीतर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सवाल के जवाब में बताया कि अब तक 25 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, और उनकी वेतन वृद्धि रोकी गई है।

18 करोड़ के भ्रष्टाचार, 34 की जांच की गई थी शुरू

कृषि विभाग के 34 भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ जांच करने के राज्य सरकार ने आदेश जारी कर दिये है। सरकार ने विशेष सचिव मुकेश बंसल को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। 34 भ्रष्ट अधिकारियों पर कृषि उपकरण और खाद बीज खरीदी में 18 करोड़ से ज्यादा का भ्रष्टाचार का आरोप है। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के निर्देश के बाद मामले की जांच में तेजी आई है। जबकि डेढ़ साल से मामले की जांच ठंडे बस्ते में पड़ी हुई थी। और अधिकारी अपने पद में बने रहने के साथ ही प्रमोशन का लाभ ले चुके है। उम्मीद है कि जल्द ही जांच रिपोर्ट के बाद बकाया पर भी कार्रवाई होगी।

ऐसा देते थे भ्रष्टाचार को अंजाम

पूरा मामला भंडार क्रय नियम के उल्लंघन का है जिसमें 18 करोड़ के कृषि विभाग में कृषि उपकरण और खाद बीज खरीदी हुई थी जिसमें अधिकारियों ने प्रदेश के लगभग सभी 27 जिलों में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया था. और इस पूरे मामले को भाजपा सरकार के दौरान तत्कालीन संचालक एमएस केरकेट्टा ने दबाने का काम किया था लेकिन नई सरकार बनने के बाद मामले की जांच के आदेश दिये गये। अगर इमानदारी से आगे भी जांच होगी तो अन्य भ्रष्ट अफसर और उनके सहयोगी बेनकाब किये जा सकेंगे।

छत्तीसगढ़ में ठगी के मामलों पर सदन में भारी हंगामा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में आज ध्यानाकर्षण के तहत उठाए गए ठगी के मामले में बढ़ोत्तरी के विषय पर सदन में भारी हंगामा हुआ। हालांकि भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने ध्यानाकर्षण पर उनके वक्तव्य के दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया की टोका टाकी से नाराज होकर अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव वापस ले लिया लेकिन इसके पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक हुई। सत्ता पक्ष की ओर से आपत्ति की गई कि अजय चंद्राकर बहुत लंबा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पढ़ रहे हैं। इस पर अजय चंद्राकर का कहना था कि यदि मामले अधिक हैं तो वह लंबा होगा और ध्यानाकर्षण छोटा हो तो जवाब भी छोटा आना चाहिए। सवाल छोटा होने के लिए कहा जाता है लेकिन मंत्री जो जवाब देते हैं उसके लिए क्या व्यवस्था है। विपक्ष ने गृहमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर भी आपत्ति व्यक्त की। विपक्ष के सदस्यों का कहना था कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर गृह मंत्री सदन में उपस्थित होकर जवाब देना चाहिए। दूसरे मंत्री कैसे बीच में बोल रहे हैं। भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने राज्य में ठगी के मामलों में निरंतर वृद्धि होने का सवाल उठाते हुए ध्यान आकर्षित किया कि शिक्षा विभाग में नौकरी के नाम पर ठगी हो रही है, साइबर ठगी हो रही है। उन्होंने ठगी के ढेर सारे मामलों का जिक्र किया तो नगरीय प्रशासन मंत्री ने इसका विरोध किया और मुख्यमंत्री ने भी आपत्ति की तो इस पर पक्ष विपक्ष के बीच भारी नोकझोंक हुई। सदन में हंगामा बढने पर अध्यक्ष ने 5 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। बाद में भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने कहा कि सरकार के ज्ञान में सारी स्थिति ला दी है और ध्यानाकर्षण वापस लेता हूं लेकिन इसके बाद में अजय चंद्राकर ने फिर व्यवस्था का सवाल उठाया तो नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डेहरिया ने प्रतिवाद करते हुए कहा कि जब ध्यानाकर्षण वापस ले चुके हैं तो बाद में बोलने का प्रावधान नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि आप का आशय यह है कि उत्तर संक्षिप्त हो। आप 29 घटनाओं का जिक्र कर रहे हैं तो उत्तर विस्तृत आएगा। प्रश्न संक्षिप्त हो तो उत्तर भी संक्षिप्त होंगे। अध्यक्ष. डॉ चरणदास महंत ने कहा कि सदन का समय कीमती है। इस को ध्यान में रखते हुए ऐसा प्रश्न करें जिसका उत्तर दिया जा सके। दोनों पक्षों को संक्षिप्त सवाल जवाब के लिए आसंदी ने निर्देशित किया।

CG में जिस्मफरोशी का धंधा

नेपाल की महिला दलाल पर पुलिस ने कसा शिकंजा,पहले भी 11 महिलाएं हो चुकी हैं गिरफ्तार

रायपुर, 26 जुलाई 2022। राजधानी पुलिस ने देह व्यापार में संलिप्त एक महिला दलाल को गिरफ्तार किया है. ये महिला दलाल शहर के होटल हयात में रह रही थी. सूचना मिलने पर पुलिस ने इसे अपनी गिरफ्त में ले लिया है.

दरअसल, 24 जुलाई (रविवार) को मुखबीर की सूचना और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एसीसीयू (छ्ष्ट) और तेलीबांधा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने होटल हयात में रेड मारकर देह व्यापार में संलिप्त 11

महिलाओं सहित दलाल विप्लव चौरड़िया और पंकज गोयल को गिरफ्तार किया. पुलिस ने उनके कब्जे से 14 मोबाइल और 8 हजार रुपये कैश बरामद किया है.

दो महिलाओं को भेजा था रायपुर

मामले में गिरफ्तार 2 महिलाओं को इसी महिला दलाल ने रायपुर भेजा था. पुलिस ने महिला दलाल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 iPhone और कैश बरामद किया. साथ ही पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ तेलीबांधा थाने में अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

कई राज्यों में पुरुष दलालों से है संपर्क

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर आरोपियों ने इस व्यवसाय में संलिप्त एक महिला दलाल के संबंध में जानकारी दी. आरोपियों ने बताया कि महिला दलाल रायपुर के ही एक होटल में ठहरी है. जानकारी पर टीम ने महिला दलाल को मौके पर जाकर पकड़ा. पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मुख्यत: नेपाल की रहने वाली है और दिल्ली के बसंतकुंज में रहती है. वह देह व्यापार के व्यवसाय में काफी दिनों से शामिल है. उसका रायपुर सहित अन्य राज्यों के कई पुरुष दलालों से संपर्क है.

बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा का अटैक, विधानसभा घेराव करने निकले कार्यकर्ताओं की पुलिस से झूमाझटकी

रायपुर, 26 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा ने विधानसभा घेराव करने का प्रयास किया, लेकिन बीच में ही पुलिस ने बैरिकेटिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को रोक लिया। इसके बाद पुलिस और भाजपाइयों के बीच झूमाझटकी की नौबत आ गई।

आपको बता दें कि हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करने निकले थे, हालाँकि पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी जमकर नारेबाजी करते नजर आए. बताया जा रहा है कि कुछ कार्यकर्ताओं को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

साढ़े चार लाख से अधिक कर्मचारियों के हड़ताल का आज दूसरा दिन,सूने पड़े सरकारी दफ्तर,स्कूल-कालेजों में लटका ताला

रायपुर, 26 जुलाई 2022। केंद्र सरकार के समान देय महंगाई भत्ता, गृह भाड़ा भत्ता व सातवें वेतनमान को लागू करने की मांग को लेकर राज्य के साढ़े चार लाख से अधिक कर्मचारी सोमवार से पांच दिन की हड़ताल पर चले गए हैं। यह हड़ताल 29 जुलाई तक चलेगी, जबकि शनिवार व रविवार को सरकारी अवकाश है। यानी इस सप्ताह प्रदेश में सरकारी सेवाएं बाधित रहेंगी।

सरकारी दफ्तरों समेत स्कूल-कालेजों में लटका रहा ताला

सोमवार को कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से प्रदेश के सरकारी दफ्तरों, स्कूल-कालेजों में ताला लटका रहा। स्कूलों में विद्यार्थी पहुंचे, मगर शिक्षक नहीं होने से मायूस होकर लौटना पड़ा। इसी तरह सरकारी कालेजों में सन्नाटा पसरा रहा।

34 प्रतिशत महंगाई भत्ता और गृह भाड़ा की मांग

34 प्रतिशत महंगाई भत्ता और गृह भाड़ा भत्ता देय तिथि से भुगतान की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारीफेडरेशन के बैनर तले प्रदेशभर के शिक्षक-कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल पर गए हैं। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री यशवंत सिंह वर्मा ने बताया कि कर्मचारियों को 12 प्रतिशत महंगाई भत्ता और सात प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता कम मिल रहा है। इससे प्रत्येक कर्मचारी को पांच से 18 हजार रुपये का हर माह नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दंतेवाड़ा में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़,पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी,मारा गया इनामी नक्सली

दंतेवाड़ा, 26 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में

नक्सलियों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन नक्सली ग्रामीण व जवानों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में रहते है। इसी बीच एक बार फिर जबरामेटा में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई है। जिसमें पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने 5 लाख के इनामी नक्सली को ढेर किया है। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में मारे गए मृत नक्सली एरिया कमेटी का सदस्य है। मामला कटेकल्याण थाना क्षेत्र है।

सोनिया गांधी से पूछताछ पर छत्तीसगढ़ में हंगामा,रायपुर में ईडी दफ्तर पर लगा दिया भाजपा कार्यालय का बोर्ड,जमकर नारेबाजी

रायपुर, 26 जुलाई 2022। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कांग्रेस जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रहे यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने टिकरापारा पुजारी पार्क स्थित ईडी कार्यालय में भाजपा कार्यालय का बोर्ड लगा दिया लगा दिया।

विरोध प्रदर्शन कर रहे यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता ईडी कार्यालय की दीवारों पर चढ़ गए और उस पर भाजपा कार्यालय का स्टीकर लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने वहां एजेंसी और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी भी की। इस दौरान उन्होंने कहा, एक केंद्रीय एजेंसी जिस तरह भाजपा के लिए काम कर रही है तो उसका कार्यालय भी भाजपा का ही कार्यालय है।

गांधी मैदान में सत्याग्रह जारी

इस बीच प्रदेश कांग्रेस की ओर से रायपुर के गांधी मैदान में सत्याग्रह जारी है। महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास बैठे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता ईडी की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में सभी वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं।

विधानसभा में प्रश्नकाल खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम भी यहां आकर बैठ गए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह सत्याग्रह तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ईडी दफ्तर से बाहर नहीं चली जातीं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)